दैनिक जयन्त
स्थापित : 1979
संस्थापक
स्व0 श्री नरेन्द्र उनियाल
वर्ष-45, अंक 104
कोटद्वार मंगलवार
8 अगस्त 2023, पृष्ठ-8

गढ़वाल जनपद का प्रथम दैनिक

जयन्त

निर्भीक-निष्पक्ष-जनसरोकार

खबर बड़ी होती है, अखबार नहीं

दैनिक जयन्त

www.dainikjayantnews.com

कोटद्वार एवं गैरसैंण से प्रकाशित डाक पंजीयन यू.ए./पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन नं0 01382-222383, मो0 नं0 8384897348, 9412081969 e-mail : dainikjayant@rediffmail.com, nagendra.uniyal@gmail.com मूल्य-2 रुपये

कैंची धाम में ड्रेस कोड लागू, अमर्यादित कपड़ों में आने वालों को प्रवेश नहीं, फोटो लेने पर भी बैन

नैनीताल, एजेंसी। नैनीताल के विश्व प्रसिद्ध कैंची धाम में ड्रेस कोड लागू कर दिया गया है। मंदिर समिति की ओर से अपील की गई है कि मंदिर में केवल मर्यादित वस्त्र पहनकर ही प्रवेश करें। अमर्यादित कपड़े पहनकर आने श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इसके अलावा मंदिर के अंदर फोटोग्राफी करने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। इसे लेकर मंदिर के अंदर साइन बोर्ड भी लगाए गए हैं।

बता दें कि इससे पहले भी उत्तराखंड के कई मंदिरों में ड्रेस कोड लागू किया गया है। पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी की ओर से हरिद्वार के दक्षेश्वर महादेव मंदिर और ऋषिकेश के नीलकंठ महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए ड्रेस कोड लागू किया गया था। कहा गया था कि हाफ पैंट, फटी जींस, मिनी स्कर्ट, नाइट सूट पहनकर आने वालों को मंदिर में प्रवेश नहीं मिलेगा। मर्यादित कपड़े पहनकर आने वालों को ही मंदिर में प्रवेश कर दर्शन करने की अनुमति होगी। वहीं, देहरादून के टपकेश्वर मंदिर में भी ड्रेस कोड लागू है।

एम्स से ब्लड कंपोनेंट लेकर कोटद्वार भेजा गया ड्रोन, पेड़ से टकराकर हुआ क्रैश

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार: ऋषिकेश एम्स से कोटद्वार बेस अस्पताल के लिए ब्लड कंपोनेंट लेकर उड़ा ड्रोन भाबर क्षेत्र में इंडस्ट्रियल एरिया के समीप एक पेड़ पर अटककर क्षतिग्रस्त हो गया। सोमवार दोपहर राजकीय बेस चिकित्सालय की टीम छत पर ड्रोन के लैंडिंग होने का इंतजार कर रही थी। लेकिन, एक घंटे बाद भी जब ड्रोन नहीं पहुंचा तो टीम उसकी तलाश में निकल पड़ी।

सोमवार को 12 बजकर 50 मिनट पर दवा का पैकेट व ब्लड कंपोनेंट लेकर ड्रोन ऋषिकेश से कोटद्वार के लिए उड़ा था। ड्रोन की लैंडिंग के लिए बकायदा राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार की छत पर प्वाइंट भी बनाया गया था। चिकित्सकों की टीम बेसब्री से ड्रोन के पहुंचने का इंतजार कर रही थी। लेकिन, कई घंटे इतजार करने के बाद भी ड्रोन नहीं पहुंच पाया। ट्रायल फेल होने की सूचना पर टीम ड्रोन

भाबर क्षेत्र में क्षतिग्रस्त पड़ा ऋषिकेश से भेजा गया ड्रोन

की तलाश में भाबर क्षेत्र की ओर निकल पड़ी। इस दौरान सूचना मिली कि ड्रोन इंडिस्ट्रियल एरिया के समीप एक पेड़ पर फंसा हुआ है। टीम ने पेड़ से ड्रोन को नीचे उतारा तो वह क्षतिग्रस्त हो गया था। कोटद्वार बेस चिकित्सालय से ड्रोन को ऑपरेट करने वाली ड्रोन पायलट स्नेहा ने बताया कि ऋषिकेश एम्स अस्पताल से कोटद्वार बेस चिकित्सालय के लिए ड्रोन भेजा गया था। यह ड्रोन चार सौ फिट ऊंचाई पर उड़ता है।

लेकिन, हवा के प्रभाव के कारण संभवता यह क्रेश हो गया है।

- सोमवार दोपहर राजकीय बेस चिकित्सालय की छत पर होनी थी ड्रोन की लैंडिंग
- भाबर क्षेत्र के अंतर्गत इंडस्ट्रीयल एरिया के समीप एक पेड़ पर फंसा ड्रोन

राहुल गांधी की संसद सदस्यता हुई बहाल, लोक सभा सचिवालय ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली , एजेंसी । सुप्रीम कोर्ट द्वारा सजा पर रोक लगाए जाने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद सदस्यता फिर से बहाल हो गई है।लोक सभा सचिवालय ने 4 अगस्त 2023 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले का हवाला देते हुए सोमवार को एक अधिसूचना जारी कर कर केरल की वायनाड लोक सभा सीट से राहुल गांधी की संसद सदस्यता फिर से बहाल कर दी है।

राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता बहाल करने पर संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा स्पीकर ने आज ये फैसला लिया। हमने कानूनी प्रक्रिया का पालन किया और सुप्रीम कोर्ट का आदेश मिलते ही हमने इसे बहाल कर दिया।

आपको बता दें कि गुजरात के सूरत की एक अदालत द्वारा राहुल गांधी को दो साल की सजा दिए जाने के बाद, लोक सभा सचिवालय ने 24 मार्च 2023 को एक नोटिफिकेशन जारी कर 23 मार्च 2023 से उनकी लोक सभा की सदस्यता को रद्द कर दिया गया था।

राहुल गांधी 2019 के लोक सभा चुनाव में केरल के वायनाड से सांसद चुने गए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने 4 अगस्त को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में उनकी सजा पर रोक लगा दी थी, जिससे उनकी लोकसभा सदस्यता बहाल करने का रास्ता साफ हो गया था।

टनकपुर–तवाघाट हाईवे पर हुआ भारी भूस्खलन

धारचूला(पिथौरागढ़)। टनकपुर तवाघाट एनएच पर सोमवार को घटखोला के पास भारी भूस्खलन हो गया। इस दौरान भारी मात्रा में बोल्डर और मलबा आने से सड़क बंद होने गई है। जिससे दारमा, व्यास और चौदास घाटी का संपर्क तहसील मुख्यालय से कट गया है।गौरीकुंड में 20 लोग लापताः नदी और मलबे में जमीन से आसमान तक हो रही 'जिंदगी की तलाश'...पर हर बार हो रहे निराश

साथ ही दर्जनों वाहन और ग्रामीण फंस गए। हिलवेज कंपनी के पीआरओ त्रिलोक दानू ने बताया कि लगातार बोल्डर आने से सड़क खोलने में दिक्कत आ रही है। कोशिश है जल्द से जल्द रास्ता खोल दिया

रास्ता बंद होने से फंसे दर्जनों वाहन

जाए। नैनीताल–हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग पर दोगांव से पहले भेड़ियाखान में शाम करीब पौने पांच बजे चट्टान दरक गई। बारिश के कारण यहां मलबा आने से रास्ता बंद हो गया और दोनों तरफ वाहन फंस गए। गनीमत रही कि व्यस्तम मार्ग में कोई वाहन चपेट में नहीं आया।

दिल्ली की व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए बिल लाए, इसका मकसद भ्रष्टाचार रोकना: शाह

नई दिल्ली , एजेंसी। राज्यसभा में सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 पर चर्चा हुई। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जवाब दिया। दस दौरान उन्होंने साफ किया कि दिल्ली का मामला अन्य राज्यों से अलग है। उन्होंने पंचायत चुनाव, विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव को लेकर भी तर्क दिया। उन्होंने यह भी कहा कि इस बिल से सुप्रीम कोर्ट के किसी फैसले का उल्लंघन नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा कि इस बिल का उद्देश्य दिल्ली में सुचारू रूप से भ्रष्टाचार मुक्त शासन हो। बिल

के एक भी प्रावधान से, पहले जो व्यवस्था थी, उस व्यवस्था में एक इंच मात्र भी परिवर्तन नहीं हो रहा है। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि दिल्ली की व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए बिल लाया गया है। इस बिल का मकसद भ्रष्टाचार को रोकना है। इसके उद्देश्य संविधान के मुताबिक ही है। इस बिल का कोई भी प्रावधान संविधान का उल्लंघन नहीं करते।

उन्होंने कहा कि पहले दिल्ली में ट्रांसफर पोस्टिंग को लेकर झगड़े नहीं होते थे। किसी सीएम को दिक्कत नहीं होती थी। 2015 में एक 'आंदोलन' के बाद एक नई पार्टी अस्तित्व में आई और उनकी सरकार बनी। सारी समस्या उसके बाद ही शुरू हुई।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राज्यसभा में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (संशोधन) विधेयक, 2023 पर जवाब देते हुए कहा कि कुछ लोगों ने कहा कि केंद्र सत्ता अपने हाथ में लेना चाहती है। केंद्र को ऐसा करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि भारत के लोगों ने हमें शक्ति और अधिकार दिया है।

ससंद में पूछा गया कि क्या सरकार भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग गौमाता को राष्ट्रीय पशु के रूप में मान्यता देने का इरादा रखती है? इस पर केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि इस विषय पर कानून बनाने की शक्ति राज्य सरकार के पास है। गाय सहित पशुओं की सुरक्षा के लिए भारतीय पशु कल्याण बोर्ड की भी स्थापना की है।

IHMS KOTDWAR
17 Years of Excellence in Education
ESTD. 2006
ISO 9001-2015 Certified
Institute of Hospitality, Management & Sciences
Admissions Open 2023
"Journey Towards Excellence"
AVAILABLE PROGRAMMES
M.B.A. 2 Years
FIRST AICTE APPROVED COLLEGE IN REGION
B.H.M. 4 Years
B.Sc. IT 3 Years
B.B.A. 3 Years
B.C.A. 3 Years
C.H.M. 1 Year
• Attractive Scholarships
• Industrial Tour
• Value Added Courses @ 0% cost
• Internship in Leading Companies
Mob.: 7902000023, 8057726863
Balbhadrapur, B.E.L. Road, Kotdwar-246149(UK)
Email:Info@ihms.ac.in, ihmskotdwar1@gmail.com | Web: www.ihms.ac.in

वरिष्ठ नागरिक संगठन ने किया पौधा रोपण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : वरिष्ठ नागरिक संगठन की ओर से नजीबाबाद रोड स्थित ज्ञान भारती पब्लिक स्कूल में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के अध्यापकों और छात्रों ने भी भाग लिया।

संगठन अध्यक्ष कै. पीएल खंतवाल ने कहा कि संगठन वृक्षारोपण सहित अन्य सामाजिक कार्यों में प्रमुखता से भाग लेता है। कहा कि वर्तमान में पर्यावरण असंतुलन को देखते हुए पौधरोपण आवश्यक है। विद्यालय प्रबंधक अजयपाल सिंह रावत ने वृक्षारोपण पर संगठन का आभार जताया। इस दौरान एसपी थपलियाल, रिपुदमन सिंह, विनोद नेगी, जयवीर सिंह, आरपी पंत, राजेंद्र बिष्ट, महेंद्र अग्रवाल और प्रदीप अग्रवाल सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

आफत बन रही बारिश, कौड़िया स्थित गबर सिंह कैंप के गेट का पिलर टूटा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार व आसपास के क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश आफत बन रही है। रविवार रात हुई बारिश से कौड़िया स्थित गबर सिंह कैंप के गेट का पिलर टूट गया। ऐसे में अगले माह से कोटद्वार में होने वाली अग्निवीर भर्ती को संपन्न करवाना भी एक चुनौती बन रही है।

पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश मैदानी क्षेत्र में आम जन के लिए आफत का सबब बन रही है। भारी बारिश के कारण उफनाए नालों का पानी बस्तियों में घुस रहा है। बारिश के पानी की निकासी की सही व्यवस्था न होने के कारण पानी लोगों के घरों में घुस रहा है। कुछ दिन पहले हुई बारिश से नुकसान से कौड़ियावासी अभी तक उबर भी नहीं पाये थे कि रविवार रात को हुई बारिश के कारण कौड़िया स्थित गबर सिंह कैंप का गेट व पिलर टूट गए। लगभग दस दिन पहले हुई बारिश में कैंप से आने जाने वाली पुलिया ध्वस्त हो गई थी। पिछले महीने बारिश के चलते नदी में तेज बहाव के कारण मालन नदी का पुल भी टूट गया था। अब रविवार रात की बारिश से कैंप पिलर और गेट भी धराशाई हो गये हैं। बतातें चलें कि कैंप में सितंबर माह में अग्निवीर भर्ती रैली होनी है। ऐसे में प्रशासन के लिए पुल तैयार करना चुनौती भरा कार्य है।

कौड़िया गबर सिंह कैंप के समीप ढहा पिल्लर

सामाजिक बुराईयों के खिलाफ अभियान चलाएगा हिंदू जागरण मंच

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : हिंदू जागरण मंच की ओर से आम जन को लव जेहाद, भूमि जेहाद व नशाखोरी सहित अन्य बुराइयों पर आम जन को जागरूक करने का निर्णय लिया गया।

इस संबंध में काशीरामपुर मल्ला स्थित कार्यालय में आयोजित बैठक में प्रदेश संयोजक कृष्ण सिंह बोरा ने कहा कि जहां शक्ति है वहां शांति स्वयं होती है। देश के अंदर शांति के लिए भारत का शक्तिशाली होना आवश्यक है। जिला संयोजक सौरभ गोदियाल ने कहा कि संगठन युवाओं को जोड़ने के साथ ही लव जेहाद, भूमि जेहाद और नशाखोरी सहित अन्य सामाजिक बुराइयों पर आम जन को जागरूक करेंगा। बैठक में शांति नेगी को महिला आयाम की नगर संयोजिका मनोनीत किया गया। बैठक में अनूप ध्यानी, प्रीतम नेगी, सत्यप्रकाश ढौंडियाल, आनंद गोस्वामी, पवन जुयाल, यशोदा देवी और राजेश्वरी देवी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

शहीद मंदीप सिंह रावत की याद में किया पौधा रोपण

शहीद मंदीप सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते।

कोटद्वार : ग्रीन आर्मी देवभूमि उत्तराखंड की ओर से सेना मेडल शहीद राइफलमैन मंदीप सिंह रावत की पांचवीं पुण्यतिथि पर सोमवार को मेहरबान सिंह सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान शहीद की याद में विद्यालय परिसर में पौधा रोपण अभियान चलाया गया।

कार्यक्रम में शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। तत्पश्चात उनकी स्मृति में विद्यालय परिसर में रूद्राक्ष के पौधे का रोपण किया गया। इस दौरान ग्रीन आर्मी के कोषाध्यक्ष उत्कर्ष नेगी ने शहीद के सम्मान में कविता पाठ किया। अध्यक्ष शिवम नेगी ने शहीद के बलिदान को हमेशा स्मरण करने की बात कही। मौके पर शहीद की माता सुमा देवी को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य चंदन सिंह, किशोर कुमार लखेड़ा, ऋतु रावत, नैंसी रावत, साक्षी सिंघी, आयुष गुप्ता आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार-पुलिंडा मार्ग पर धमका हाथी, कार पर किया हमला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार-पुलिंडा मार्ग पर लगातार हाथियों की धमक बढ़ती जा रही है। सोमवार सुबह हाथी ने मार्ग से गुजर रही एक कार पर हमला कर दिया। चालक ने कार की रफ्तार बढ़ाकर अपनी जान बचाई।

सुबह करीब दस बजे पुलिंडा की ओर से एक कार कोटद्वार की ओर आ रही थी। इसी दौरान कोटद्वार से करीब तीन किलोमीटर आगे झाड़ियों से निकला हाथी अचानक कार के आगे धमक गया। जैसे ही चालक ने कार रोकी हाथी ने अपनी सूंड से उसकी खिड़की के शीशे को तोड़ दिया।

हाथी के पीछे कदम रखते ही चालक ने रफ्तार बढ़ाते हुए कार दौड़ा दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद हाथी को वापस जंगल में खदेड़ा। इस दौरान वन कर्मियों ने आमजन से भी सतर्क रहने की अपील की।

कोटद्वार-पुलिंडा मार्ग पर धमका हाथी

दल के बैनर व झंडे का गलत इस्तेमाल करने का आरोप

कोटद्वार : उत्तराखंड क्रांति दल के जिलाध्यक्ष मुकेश चंद्र बड़थ्वाल ने कुछ लोगों पर संगठन के बैनर व झंडे का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। कहा कि उत्तराखंड क्रांति दल के वर्तमान अध्यक्ष काशी सिंह एरी हैं। ऐसे में कुछ लोग समाज को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं।

कहा कि कुछ लोगों ने दल के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को लेकर गलत बयान बाजी की है। दल विरोधी गतिविधि तथा अनुशासन हीनता के स्पष्ट प्रमाण के आधार पर दल से कुछ लोगों को निष्कासित किया था। कहा कि यह लोग समाज को भ्रमित करने का कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में उत्तराखंड क्रांति के केंद्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी काशी सिंह ऐरी के पास है।

शिविर में 30 लोगों ने किया रक्तदान, जागरूकता का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर युवा क्लब की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर में 30 लोगों ने रक्तदान किया। इस दौरान रक्तदाताओं ने अन्य लोगों को भी रक्तदान के लिए जागरूक करने का संकल्प लिया। कहा कि रक्तदान धरती का सबसे बड़ा दान है।

एक वेडिंग प्वाइंट में आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन गो सेवा आयोग के अध्यक्ष पंडित राजेंद्र अणथ्वाल एवं कृषि उत्पादन मंडी समिति के अध्यक्ष सुमन कोटनाला व पूर्व भाजपा महामंत्री भाबर मंडल गौरव जोशी ने किया। कहा कि सभी को समय-समय पर रक्तदान अवश्य करना चाहिए। हमारे जरिए किया गया रक्तदान किसी न किसी जरूरतमंद के काम आता है। भाजपा नेता गौरव जोशी ने बताया कि रक्तदान शिविर स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा से आयोजित किया गया। शिविर में महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। इस मौके पर बेस चिकित्सालय की टीम के डॉ. स्वाति ध्यानी, अनिल, अजीत, दानिश, आरती, आशीष, भूपेंद्र के साथ ही प्रधानाचार्य गिरिराज सिंह रावत, दलजीत सिंह, सिमरन बिष्ट, विकास नेगी, प्रियांक सुंद्रियाल, पंकज कुकरेती, शुभम कंडवाल, बीना नेगी, गौरव, आनंद तिवाड़ी, हर्षमणि नैनवाल, विनय, आयुष त्रिपाठी आदि ने सहयोग प्रदान किया।

भाबर क्षेत्र में रक्तदान शिविर में रक्तदान करते युवा

भाला फेंक प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

जयन्त प्रतिनिधि।

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि के चौरास परिसर स्थित खेल मैदान में द्वितीय राष्ट्रीय जेवलिन थ्रो दिवस के अवसर पर जेवलिन थ्रो (भाला फेंक) प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न कॉलेजों, स्कूलों व नागरिक समाज के प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। विजेता प्रतिभागियों को मौके पर पुरस्कृत किया गया।

प्रतियोगिता में कुल 30 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें सीविल सोसायटी ओपन कैटेगरी में विवि के रसायन विज्ञान विभाग के डा. सुरेंद्र पुरी ने प्रथम, निम के ऋषि सिंह ने द्वितीय एवं विवि के फार्मेसी विभाग के अजय रावत तृतीय रहे। छात्र वर्ग में विवि के बीकॉम के प्रशांत कठैत प्रथम, एसटीएस स्कूल के रजत चौहान द्वितीय व आरपीएस के शिवम चौहान तृतीय रहे।

छात्रा वर्ग में विवि की एमपीएड की पूर्वी डालाकोटी प्रथम, बीएससी की कनक लता द्वितीय एवं बीकॉम की शालिनी सिलस्वाल ने तृतीय स्थान प्राप्त कियाकुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल के निर्देशन में आयोजित प्रतियोगिता का उदघाटन बतौर मुख्य अतिथि चौरास परिसर निदेशक प्रो. सीएम शर्मा, विशिष्ट अतिथि निदेशक खेल विभाग प्रो. एसएस बिष्ट ने किया।

आयोजन में विभाग के सह-निदेशक मोहित सिंह बिष्ट, विकास घिल्डियाल, वीर सिंह, सुनीता, वन्दना डोभाल, सुदीप सिंह, सतीश बलूनी, डॉ. विनीत पोस्ती, कीर्ति नेगी ने सहयोग दिया। (एजेंसी)

पीएम मोदी के कार्यकाल में खादी को मिला बढ़ावा

श्रीनगर गढ़वाल : विश्व हथकरघा दिवस पर भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री अनीता बुड़ाकोटी, जिला अध्यक्ष मीना गैरोला, श्रीनगर मंडल अध्यक्ष उषा कंडारी ने मोर्चा की अन्य महिलाओं के साथ खादी ग्रामोद्योग विभाग में जाकर वहां के कर्मचारी और बुनकर महिलाओं से वार्ता कर विभिन्न जानकारियां ली। उन्होंने कहा कि खादी विभाग में काफी समय से मशीनें धूल फांक रही थी, मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में खादी को बढ़ावा दिया गया। इस मौके पर विभाग के अधिकारी खुशीराम को महिला मोर्चा की शॉल भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विभाग में कार्य करने वाली महिलाएं कमला पंवार, सुनीता, मनोरमा रतूड़ी, मंजुला कंडवाल, मंजू पटवाल, दीपा रावत, भावना रावत, सुनीता, चंद्रकला, मनीषा, गणेशी देवी, रेखा रावत, भावना बिष्ट, उमा गुनसोला, मोनिका कंडारी आदि मौजूद रहे।

कांजी हाउस के लिए क्यार्कसैंण में भूमि चयन करने पर भड़के ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : कल्जीखाल ब्लाक के सिलेथ गांव की सीमा के समीप क्यार्कसैंण नगर पालिका प्रशासन द्वारा कांजी हाउस को लेकर भूमि चयनित करने पर कांग्रेस के प्रदेश सचिव एवं स्थानीय ग्रामीणों ने आपत्ति जताई है। बताया कि बिना ग्रामीणों, ग्राम पंचायत की सहमति के सिलेथ गांव की सीमा में पालिका प्रशासन पौड़ी द्वारा कांजी हाउस बनाए जाने का पुरजोर विरोध किया जाएगा।

कपोलस्यूं पट्टी के क्यार्केश्वर महादेव मंदिर के समीप नगर पालिका पौड़ी द्वारा कांजी हाउस बनाने की कवायद की जा रही है। जिसमें पौड़ी नगर के लावारिश मवेशियों को रखा जाएगा। बताया कि उनके ग्रामीण क्षेत्र अगरोड़ा, पैडुल, परसुंडाखाल में भी आवारा मवेशियों की संख्या बहुत ज्यादा है। कहा कि उस जगह पर पहले से ही एक गोधाम चल रहा है। ऐसे में वहां पर पौड़ी नगर पालिका द्वारा कांजी हाउस खोला जाना सही नहीं होगा।

वहीं, यहां पर गोधाम संचालित कर रहे बद्री गौ सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रकाश काला ने उनकी गौशाला के बगल में ही भूमि चयनित करने पर आपत्ति जताई है। कहा कि वे पिछले लंबे समय से निःस्वार्थ भाव से निराश्रित गोवंश की सेवा कर रहे हैं। जिसको लेकर वर्ष 2020 में उनके द्वारा प्रशासन से इस जगह पर भूमि लीज पर ली गई और इस क्षेत्र में उनके द्वारा गोधाम चलाया जा रहा है। प्रकाश काला ने गौशाला विस्तारीकरण को लेकर जिला प्रशासन से गुहार भी लगाई।

कहा कि यदि प्रशासन चाहता है कि यहां गोवंश रखे जाएं तो उनकी गौशाला का ही विस्तारीकरण कर दिया जाए। जिससे यहां पर निराश्रित गोवंश के चरागाह पर किसी तरह का निर्माण ना हो।

प्रेरित और शुभम ईस्ट जोन के लिए चयनित

श्रीनगर गढ़वाल : उत्तराखंड स्टेट बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा आयोजित स्टेट रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता में रेनबो पब्लिक स्कूल के प्रेरित ममगाईं एवं शुभम ममगाईं का चयन ईस्ट जोन के लिए हुआ है। 2 से 6 अगस्त तक बागेश्वर में आयोजित स्टेट रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता में दोनों भाइयों ने बैडमिंटन की डबल प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। रेनबो स्कूल की प्रधानाचार्या डा. रेखा उनियाल ने दोनों भाइयों की उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। (एजेंसी)

हॉफ मैराथन में पदम, नितिन रहे अव्वल

श्रीनगर गढ़वाल : देहरादून में आयोजित सरमंग हॉफ मेराथन में अपने-अपने आयु वर्ग में श्रीनगर विल्वकेदार के पदम सिंह ने प्रथम व नितिन भट्ट ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पदम सिंह यहां बीएसएनएल में जेई के पद पर कार्यरत हैं, जबकि नितिन देवभूमि पब्लिक स्कूल विल्वकेदार का कक्षा नौ का छात्र है। पदम सिंह छात्र नितिन के प्रशिक्षक भी हैं। पदम सिंह व नितिन की उपलब्धि पर क्षेत्र के लोगों ने खुशी जताई है।

रोपे गए पौधों की देखभाल की जिम्मेदार लें : राणा

पौड़ी : द्वारीखाल ब्लाक के चमोलीसैंण में फलदार पौधरोपण लगाए गए। चमोलीसैंण के पंचायतघर के समीप आयोजित कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख महेंद्र राणा ने आम के पौध का रोपण किया। ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि हम पौधरोपण तो कर रहे हैं, लेकिन उनकी देखभाल नहीं कर रहे हैं। हमारा यह कार्यक्रम तभी सफल होगा जब हम इन पेड़ों के देखभाल का जिम्मा भी लें। इस समय ब्लाक द्वारा 58 हजार फलदार पौध का वितरण किया गया है। लेकिन इस पौधों की देखरेख हमें स्वयं की करनी है व गत वर्ष रोपित पौधे का भी रिकार्ड रखे कि कितने सही स्थिति में हैं। फलदार पौध से हमारी आमदनी में वृद्वि होगी हमें अपने घर में ही रोजगार मिलेगा। पेड़ लगाने से हमारा पर्यावरण शुद्व रहेगा। जिससे अनेकों बीमारियों से बचा जा सकेगा। ग्राम पंचायत में 250 आम के पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर प्रधान मीना देवी, खण्ड विकास अधिकारी विद्यादत्त रतूड़ी, सहायक विकास अधिकारी पंचायत जेई मनरेगा विजयपाल रावत, चंद्रमोहन नेगी, ग्राम विकास अधिकारी अनिल केष्टवाल, रोजगार सहायक पान सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता अर्जुन सिंह, प्रधान सीला मोहन काला, प्रधान ओडलबडा कुसुम देवी, गजेंद्र रावत आदि शामिल रहे।

योजनाओं की जानकारी न देने पर भड़के ग्राम प्रधान

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर सभागार में प्रधान संगठन कीर्तिनगर की मासिक बैठक आहुत की गई। बैठक में प्रस्तावित योजनाओं का समय पर स्टीमेट न बनने, कूड़ेदानों की साफ-सफाई न होने, अधिकारियों द्वारा सरकार की ओर से संचालित योजनाओं की जानकारी न दिए जाने पर प्रधानों ने गहरा आक्रोश व्यक्त किया। सोमवार को कीर्तिनगर ब्लॉक सभागार में प्रधान संगठन कीर्तिनगर के अध्यक्ष सुनय कुकशाल की अध्यक्षता में आहुत बैठक में प्रधानों ने कहा कि विकासखंड कीर्तिनगर में प्रस्तावित योजनाएं समय पर स्टीमेट न बनने और समय पर एमबी और टीएस न होने पर लंबित पड़ी हुई हैं। साथ ही ग्राम पंचायतों में संचालित कार्यां का समय पर भुगतान नहीं हो रहा है। कहा कि ग्राम पंचायतों में स्वच्छता हेतु कूडेदान बनाए गए हैं, लेकिन अभी तक कूड़े के निस्तारण के लिए कोई भी योजनाएं नहीं बनाई गई हैं। कूड़ा कूड़ादानों में पड़े होने से बीमारियों का खतरा बना हुआ है।मौके पर प्रधान नैथाणा आशा देवी, सतीश चंद्र सेमवाल, बीरबल चौहान, धन सिंह रावत, रश्मि देवी, रवि नेगी, मीनाक्षी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

लोनिवि अफसरों की लापरवाही, भूस्खलन से आवासीय भवन को खतरा

पौड़ी : लोक निर्माण विभाग के अफसरों की लापरवाही के चलते एक आवासीय भवन को खतरा हो गया है। बारिश से सड़क के ऊपर वाले हिस्से से भूस्खलन होने के बाद भवन में दरारें पड़ गई हैं। वहीं भवन स्वामी ने जिला प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। कहा कि मोटर मार्ग कटिंग के दौरान ही उन्होंने यहां पर पुश्ता लगाने की मांग उठाई थी। लेकिन विभाग ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। पाबौ ब्लाक के अंतर्गत बाली कंडारस्यूं के पोखरी गांव निवासी कादंबरी देवी पत्नी स्व. मायाराम भट्ट ने जिला प्रशासन से उनके पैतृक घर को बचाने की गुहार लगाई है। उन्होंने कहा कि ढुमका-पोखरी मोटर मार्ग पर उनका आवासीय भवन है। बारिश के चलते भवन के आंगन का सारा हिस्सा टूट गया है। जिससे भवन भी खतरे की जद में आ गया है। कहा कि कई बार लोनिवि को सूचित करने के बाद भी उनकी समस्या को गंभीरता से नहीं लिया गया। जिसके चलते अब भवन ध्वस्त होने की कगार पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि उनके पास एक मात्र ही रहने का ठिकाना है। यदि यह भवन भी भूस्खलन की चपेट में आ गया तो वे कहां जाएंगे। उन्होंने जिला प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

शिवालयों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

श्रीनगर गढ़वाल : नगर क्षेत्र के शिवालयों में सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। श्रद्धालुओं ने बेल पत्र, गंगा जल व दूध से शिवलिंग का अभिषेक कर सुख-शांति की कामना की। नगर के कमलेश्वर महादेव मंदिर, शंकरामठ मंदिर, अल्केश्वर महादेव मंदिर, नागेश्वर मंदिर, कटकेश्वर महादेव मंदिर व कीर्तिनगर में ढूंढेश्वर महादेव मंदिर, चौरास किलकिलेश्वर मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालु दर्शनों को जुटने लगे थे। (एजेंसी)

पुलिस महकमें में कई थानाध्यक्ष और निरीक्षक इधर से उधर

रुद्रप्रयाग। पुलिस अधीक्षक विशाखा अशोक भदाणे ने जनपद में तीन थाना प्रभारी, चार निरीक्षक और पांच उप निरीक्षकों के दायित्व में फेरबदल किया है। थाना प्रभारी अगस्त्यमुनि निरीक्षक सदानन्द पोखरियाल को प्रभारी डीसीआरबी पुलिस कार्यालय रुद्रप्रयाग नियुक्त किया गया है।

थानाध्यक्ष ऊखीमठ रहे उप निरीक्षक राजीव चौहान अगस्त्यमुनि के नये थानाध्यक्ष होंगे। वहीं अब तक प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सोनप्रयाग के दायित्वों का निर्वहन कर रहे निरीक्षक सुरेश चन्द्र बलूनी को ऊखीमठ का नया थाना प्रभारी बनाया गया है।

पुलिस कार्यालय की साइबर सैल के प्रभारी रहे निरीक्षक देवेन्द्र सिंह असवाल को सोनप्रयाग कोतवाली का प्रभारी निरीक्षक नियुक्त किया गया है। प्रभारी डीसीआरबी पुलिस कार्यालय के दायित्वों का निर्वहन कर रहे निरीक्षक योगेन्द्र सिंह गुसाईं को प्रभारी साइबर सैल पुलिस कार्यालय नियुक्त किया गया है।

इनके अलावा उपनिरीक्षक सुरेश कुमार को कोतवाली रुद्रप्रयाग से थाना गुप्तकाशी, उपनिरीक्षक ललित मोहन भट्ट को थाना अगस्त्यमुनि से थाना गुप्तकाशी, पुलिस लाइन में नियुक्त उपनिरीक्षक प्रदीप चौहान एवं उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार को थाना अगस्त्यमुनि पर नियुक्त किया गया है। स्थानान्तरित किए गए निरीक्षकों व उपनिरीक्षकों को नवनियुक्ति पर कार्यभार ग्रहण कर अनुपालन से अवगत कराए जाने के आदेश जारी किए गए हैं।

वन संरक्षक से लगाई बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की गुहार

पौड़ी : बिचली रांई प्रेमनगर के स्थानीय ग्रामीणों ने वन संरक्षक गढ़वाल से मुलाकात कर बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है। कहा कि बंदरों के आतंक के कारण उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बंदरों के आंतक से निजात दिलाने के लिए ठोस नीति बनाई जानी चाहिए। वन संरक्षक ने ग्रामीणों को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

सोमवार को बिचली रांई प्रेमनगर के ग्रामीणों ने वन संरक्षक गढ़वाल पंकज कुमार से मुलाकात की। इस दौरान ग्रामीण बलवीर भंडारी, प्रदीप भंडारी, अभिलाष नेगी, रमेश चंद्र, गिरीश आदि ने कहा कि वे पिछले लंबे समय से बंदरों के आतंक से परेशान हैं।

बंदरों के आतंक से स्कूली बच्चों को स्कूल आने जाने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। भगाने पर बंदर ग्रामीणों पर हमला कर रहे है। उन्होंने वन संरक्षक से बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग उठाई। वन संरक्षक गढ़वाल पंकज कुमार ने कहा कि इसको लेकर डीएफओ व रेंजर को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से लिया जाएगा और प्राथमिकता के आधार पर उनकी समस्या हल की जाएगी।

घनसाली के दोणी वल्ली के कई घरों पर मंडराया खतरा

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक के दोणी वल्ली गांव में भूस्खलन होने से गांव के कई मकान खतरे की जद में आ गए हैं। क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते दोणी वल्ली के दिगोली तौक में बचन सिंह के आवासीय भवन को खतरा पैदा हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रभावित परिवारों के घर का मौका मुआयना कर उचित मुआवजा देने की मांग की है। घनसाली के दोणी वल्ली गांव के दिगोली नामे तोक में लगातार हो रहे भूस्खलन से बचन सिंह के आवासीय भवन पर खतरा मंडराने लगा है। ग्राम प्रधान मानवेंद्र सिंह राणा, सोहन सिंह राणा, लाल सिंह नेगी ,बीरबल सिंह बिष्ट,अवतार सिंह राणा आदि ग्रामीणों का कहना है कि आपदा की दृष्टि से दोणी वल्ली गांव के भेमता तोक और डीगोली तोक संवेदनशील है। गांव के ठीक नीचे बहने वाली बालगंगा नदी के उफान पर होने से गांव में नीचे से लगातार भूस्खलन हो रहा है,भूस्खलन होने से बचन सिंह का परिवार रात को ठीक ठंग सो भी नहीं पा रहा है,

उत्तराखंड: अलौकिक पर्यटन गंतव्य

सुरक्षित और पर्यटन के अनुकूल गंतव्य

"प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दिल में उत्तराखंड के लिए विशेष स्थान है। उनके कुशल नेतृत्व में हम दुनिया भर के यात्रियों को नया अनुभव प्रदान कर पा रहे हैं। हम राज्य को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। ऑल वेदर रोड परियोजना, चारधाम रेलवे परियोजना, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे परियोजना समेत अन्य पर्यटन पहलों जैसी विभिन्न विकास परियोजनाओं के साथ उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में अभूतपूर्व समर्थन मिला है। इनका उद्देश्य पहुंच को आसान बनाने के साथ बुनियादी ढांचे और समग्र पर्यटन के अनुभव को बढ़ाना है। साथ ही, यह भी सुनिश्चित करना है कि उत्तराखंड के प्राकृतिक और सांस्कृतिक खजाने सभी के लिए सुलभ हों। आइए हम मिलकर एक संपन्न पर्यटन उद्योग का निर्माण करें, जो न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे, बल्कि दुनिया को उत्तराखंड की अद्वितीय सुंदरता भी दिखाए।

-पुष्कर सिंह धामी,
मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2030: सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए एक परिवर्तनकारी पहल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व में उत्तराखंड का पर्यटन एक संपन्न उद्योग के रूप में विकसित हो रहा है और विकास के नए मानकों को स्थापित कर दुनियाभर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है

PICS: DIPR, UTTARAKHAND

[illegible]

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2030 के तहत, राज्य पर्यटन के क्षेत्र में एक आदर्श बदलाव देखने के लिए तैयार है। इसमें नवाचार, स्थिरता और समग्रता को अपनाते हुए उत्तराखंड भारतीय पर्यटन के पटल पर एक नए रूप में उभरने को तैयार है

PIC: UTDB, UTTARAKHAND

[illegible]

"उत्तराखंड देवभूमि है। यह प्रदेश जिस तरह कानून-व्यवस्था को सर्वोपरि रखते हुए विकास पथ पर बढ़ रहा है, वह प्रशंसनीय है। यह प्रयास देवभूमि की पहचान बनाए रखने के लिए भी जरूरी है। इसलिए मुझे विश्वास है कि निकट भविष्य में देवभूमि उत्तराखंड पूरे विश्व की आध्यात्मिक चेतना का आकर्षण केंद्र बनेगी और हमें इसी क्षमता के अनुसार उत्तराखंड का विकास करना है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

मानसखंड सर्किट

उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में मानसखंड सर्किट से अर्थव्यवस्था को और भी मजबूती मिलेगी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

PICS: ARUSHI CHAUHAN

[illegible]

[illegible]

[illegible]

डबल इंजन सरकार के प्रयास से उत्तराखंड में पर्यटन योजनाओं के माध्यम से स्थानीय आबादी को रोजगार मिले हैं। साथ ही, इस पहल से राज्य की अर्थव्यवस्था में भी मजबूती आई है

उत्तराखंड में होमस्टे योजना: राज्य की संस्कृति को करीब से अनुभव करने का मौका

PICS: DIPR, UTTARAKHAND

[illegible]

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि ग्रामीण इलाके पर्यटन के केंद्र बन रहे हैं। साथ ही हर पर्यटन स्थल अपना खुद का राजस्व मॉडल भी विकसित कर सकता है। हमें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए होमस्टे और छोटे होटलों जैसे व्यवसायों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है

[illegible]

PICS: UTDB, UTTARAKHAND

उत्तराखंड का रोमांचक पर्यटन: भर देगा आप में जोश

अपनी विविधता भरे भूभाग और मनोहारी परिदृश्यों के साथ उत्तराखंड ऐसे पर्यटकों के लिए स्वर्ग से कम नहीं है, जो यहां आने के बाद अपनी यात्रा को और रोमांचकारी बनाना चाहते हैं

[illegible]

[illegible]

उत्तराखंड में एक्सप्लोर करने के लिए काफी कुछ है, जहां आपको अद्वितीय अनुभव मिलेगा

इन मनमोहक जगहों पर आप जरूर जाएं : प्रकृति की गोद में बसे ये सुरम्य स्थल आपके दिल को छू लेंगे

PICS: UTDB, UTTARAKHAND

[illegible]

CONSUMER CONNECT INITIATIVE

सम्पादकीय

कर्ज के बोझ से बनी स्थिति भी चिंताजनक

पिछले करीब दो दशकों में देश के सरकारी तंत्र में अस्थिरता देखी गई है। जो बात कभी सोचना भी कठिन लगता था, वह अब सचमुच हो रहा है। रेटिंग एजेंसी फिच ने दुनिया की इस सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की क्रेडिट रेटिंग ट्रिपल ए से घटाकर डबल ए प्लस कर दी है। इसकी वजह बताते हुए एजेंसी ने कहा है कि पिछले दो दशक में सरकार के प्रशासन में लगातार गिरावट देखी जा रही है। देश की वित्तीय हालत और उस पर बढ़ते कर्ज के बोझ से बनी स्थिति भी चिंताजनक होती जा रही है। गौरतलब है कि निवेशक किसी भी सरकार को कर्ज देने के लिए या उस देश में निवेश से संबंधित जोखिम का मूल्यांकन क्रेडिट एजेंसियों की रेटिंग के आधार पर करते हैं। अब तक अपनी अर्थव्यवस्था के विशाल आकार और स्थिरता के कारण अमेरिका में निवेश को आम तौर पर बेहद सुरक्षित माना जाता था। लेकिन पिछले कुछ साल से अमेरिका में राजनीतिक अस्थिरता का दौर रहा है। 2020 के चुनावों के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने जो बाइडेन की जीत को स्वीकार करने से ही इनकार कर दिया था।

इस बीच पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को मुकदमों में फंसाने की जारी कोशिशों से उनके समर्थकों में नाराजगी बढ़ रही है। इसे एक प्रकार की संभावित अस्थिरता का कारण समझा जा रहा है। दोनों प्रमुख पार्टियों के बीच बढ़ते टकराव का नतीजा है कि इस साल जून में अमेरिका डिफॉल्टर होने के कगार तक पहुंच गया था। तब सरकार को कर्ज सीमा बढ़वाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को खासी मशक्कत करनी पड़ी थी। कर्ज सीमा में बढ़ोतरी के बाद अमेरिका सरकार का कर्ज तेजी से बढ़ा है। ऐसी स्थितियों को अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा नहीं माना जाता। फिच ने कहा है कि रेटिंग घटाना अगले तीन सालों में संभावित मौद्रिक गिरावट, बहुत तेजी से बढ़ते कर्ज और सरकारी तंत्र में उथल-पुथल का संकेत है। पिछले करीब दो दशकों में देश के सरकारी तंत्र में अस्थिरता देखी गई है। फिच के मुताबिक जून में दोनों दलों के बीच कर्ज सीमा को 2025 तक बढ़ाने की सहमति बावजूद हकीकत यही है कि अमेरिका में मौद्रिक और कर्ज संबंधी स्थितियां बिगड़ती जा रही हैं।

विश्व सुरक्षा : नई पीढ़ी के लिए बेहतर भविष्य जरूरी

जलवायु बदलाव को विश्व की सबसे बड़ी पर्यावरण समस्या माना गया है, पर इसके साथ लगभग ऐसी अन्य पर्यावरणीय समस्याएं भी जुड़ी हैं, और इनका मिला-जुला असर यह है कि ये विश्व की जीवनदायिनी क्षमताओं को ही बुरी तरह संकटग्रस्त कर सकती हैं। यह तो भावी पीढ़ियों के साथ बहुत बड़ा अन्याय होगा। बहुत दूर की बात न करें तो जो आज के मासूम बच्चे हैं, उनके जीवनकाल में ही यह धरती की जीवनदायिनी क्षमता बहुत बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। इस स्थिति में विश्व स्तर पर सबसे बड़ी जिम्मेदारी तो यही बनती है कि इस स्थिति को समय पर संभाल लिया जाए।

इससे मिला-जुला एक अन्य संकट यह बढ़ रहा है कि विश्व स्तर पर कई तरह की खतरनाक तकनीकें आ रही हैं और वह भी खाद्य एवं कृषि, स्वास्थ्य तथा संचार जैसे क्षेत्रों में। इनके बारे में कई जाने-माने विशेषज्ञ चेतावनियां देते रहे हैं कि इनके तेज प्रसार से पहले इनकी सुरक्षा को सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है। पर जहां बहुत बड़ी-बड़ी विश्व स्तर की बहुराष्ट्रीय कंपनियों के स्वार्थ जुड़े हों, वहां इन बड़े विशेषज्ञों की चेतावनियों की भी उपेक्षा हो सकती है, और हो भी रही है। इनमें से कुछ तकनीकों का उद्देश्य केवल मुनाफा बढ़ाना नहीं है अपितु नियत्रण बढ़ाना है।

भारत डोगरा

चाहे यूक्रेन युद्ध का संदर्भ हो या जलवायु बदलाव के संकट का, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ हाल के समय में चेतावनी देते रहे हैं कि विश्व नेतृत्व को इन बड़े मुद्दों पर अधिक जिम्मेदारी दिखानी चाहिए।

विभिन्न बड़े संकटों को अधिक बढ़ने नहीं देना चाहिए और आपसी सहयोग से उचित समय पर समाधान प्राप्त करने चाहिए।

यूक्रेन युद्ध की ही बात करें तो अनेक जाने-माने विशेषज्ञों ने यह कहा है कि इसे इस दिशा में न जाने दें कि अमेरिका और रूस के बीच प्रत्यक्ष युद्ध की स्थिति आ जाए। आखिर, हम यह नहीं भूल सकते हैं कि विश्व के लगभग 13,000 परमाणु हथियारों में से लगभग 90 प्रतिशत इन दो देशों के पास ही हैं। इसी तरह जलवायु बदलाव के संकट के बारे में अनेक विशेषज्ञ कहते रहे हैं कि इसके भी अपने 'टिपिंग प्वॉइंट' हैं, जिनका अतिक्रमण हुआ तो संकट तेजी से बढ़ता हुआ मानव नियत्रण के बाहर भी जा सकता है। विश्व नेतृत्व की युवा पीढ़ी के प्रति, आज के मासूम बच्चों के प्रति और भावी पीढ़ियों के प्रति बहुत बड़ी जिम्मेदारी है कि उनके लिए एक सुरक्षित दुनिया हम छोड़ कर जाएं।

इसके लिए विश्व स्तर के सभी बड़े खतरों के समाधान को उच्चतम प्राथमिकता देते हुए अंतरराष्ट्रीय सहयोग से कार्य करना होगा और निर्धारित अवधि के बीच कुछ बड़े अंतरराष्ट्रीय समझौते करने होंगे, विश्व सुरक्षा के मुद्दों पर आम राय बनानी होगी। पर गहरी चिंता की बात है कि तरह-तरह के विवादों और झगड़ों के बीच फंसा हुआ विश्व इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति नहीं कर पा रहा है। महाविनाशक हथियारों के मुद्दे को ही लें तो आज विश्व में लगभग 13,000 परमाणु हथियार हैं। इनमें से अधिकांश की विध्वंसक क्षमता उन परमाणु बमों से कहीं अधिक है जिन्हें हिरोशिमा और नागासाकी पर 1945 में गिराया गया था। आज नौ देशों के पास परमाणु हथियार हैं, जो 14 देशों में तैनात हैं। इसके अतिरिक्त, अनेक समुद्री जहाज और यान हजारों परमाणु हथियारों से लैस होकर निरंतर समुद्रों में घूम रहे हैं।

इस स्थिति में विश्व की कोई भी धरती या समुद्र इन हथियारों की विध्वंसकता में सुरक्षित नहीं है। युद्ध न हो तो भी दुर्घटनाएं हो सकती हैं, और इन परमाणु हथियारों से इस कारण बहुत क्षति हो सकती है।

तिस पर बड़ी सैन्य महाशक्तियों के बीच तनाव निरंतर बढ़ रहे हैं। अनेक विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि निरंतरता से तनाव लंबे समय तक बने रहे तो महज शक और एक-दूसरे के इरादे की गलत पहचान से भी नाहक ही महाशक्तियों के बीच परमाणु युद्ध आरंभ हो सकता है। इसके अतिरिक्त, रोबोट और एआई हथियारों का खतरा बढ़ रहा है,

जो आगे चलकर ऐसी पेचीदगियां उत्पन्न कर सकता है, जिनके लिए विश्व तैयार नहीं है। अंतरिक्ष के सैन्यकरण के खतरे भी मौजूद हैं जिनसे विश्व सुरक्षा बहुत बुरी तरह प्रभावित हो सकती है।

जलवायु बदलाव को विश्व की सबसे बड़ी पर्यावरण समस्या माना गया है, पर इसके साथ लगभग ऐसी अन्य पर्यावरणीय समस्याएं भी जुड़ी हैं, और इनका मिला-जुला असर यह है कि ये विश्व की जीवनदायिनी क्षमताओं को ही बुरी तरह संकटग्रस्त कर सकती हैं। यह तो भावी पीढ़ियों के साथ बहुत बड़ा अन्याय होगा। बहुत दूर की बात न करें तो जो आज के मासूम बच्चे हैं, उनके जीवनकाल में ही यह धरती की जीवनदायिनी क्षमता बहुत बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। इस स्थिति में विश्व स्तर पर सबसे बड़ी जिम्मेदारी तो यही बनती है कि इस स्थिति को समय पर संभाल लिया जाए।

इससे मिला-जुला एक अन्य संकट यह बढ़ रहा है कि विश्व स्तर पर कई तरह की खतरनाक तकनीकें आ रही हैं और वह भी खाद्य एवं कृषि, स्वास्थ्य तथा संचार जैसे क्षेत्रों में। इनके बारे में कई जाने-माने विशेषज्ञ चेतावनियां देते रहे हैं कि इनके तेज प्रसार से पहले इनकी सुरक्षा को सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है। पर जहां बहुत बड़ी-बड़ी विश्व स्तर की बहुराष्ट्रीय कंपनियों के स्वार्थ जुड़े हों, वहां इन बड़े विशेषज्ञों की चेतावनियों की भी उपेक्षा हो सकती है, और हो भी रही है। इनमें से कुछ तकनीकों का उद्देश्य केवल मुनाफा बढ़ाना नहीं है अपितु नियत्रण बढ़ाना है। इस संदर्भ में विकासशील देशों के अनेक विद्वान और नेता विशेष तौर पर चिंतित हैं कि यदि कृषि और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में बहुराष्ट्रीय कंपनियां हावी हो गई तो इन देशों की अर्थव्यवस्था और आजीविका पर बहुत प्रतिकूल असर पड़ेगा। इसके अतिरिक्त, पर्यावरण और स्वास्थ्य भी प्रतिकूल प्रभावित होंगे।

ध्यान रहे कि इनमें से अनेक विकासशील देश पहले ही औपनिवेशिक शोषण को एक-दो शताब्दियों तक या उससे भी अधिक समय तक झेल चुके हैं। इससे उनकी बहुत क्षति हुई और फिर एक बड़े संघर्ष के बाद उन्होंने स्वतंत्रता प्राप्त की। अनेक कठिनाइयों के बीच अपने नागरिकों के लिए अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त कीं। अब इनके लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा प्रसारित नई तकनीकों, धनी देशों द्वारा प्रसारित नये व्यापार एवं निवेश समझौतों और नियमों के कारण नई कठिन चुनौतियां उत्पन्न की जा रही हैं, और उन्हें बहुत सावधानी से निर्णय लेने पड़ेंगे ताकि वे किसी ऐसे नये जाल में न फंस जाएं जिससे निकलना उनके लिए कठिन हो जाए। ध्यान देने की बात है कि जहां पश्चिमी धनी देश इस संदर्भ में कई चाल चल रहे हैं, वहां विश्व आर्थिक शक्ति के नये केंद्र के रूप में चीन भी अपनी ओर से कई आक्रामक नीतियां अपना रहा है।

इस स्थिति में भारत जैसे महत्वपूर्ण विकासशील देशों के लिए नई चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं। उन्हें इन दोनों ओर के भ्रमजाल से दूर हटकर अपनी स्वतंत्र और सोची-सुलझी राह निकालने के लिए विश्व को नई राह दिखानी चाहिए। भारत, ब्राजील, मैक्सिको जैसे अनेक महत्वपूर्ण देश विश्व स्तर पर कई गंभीर संकटों से बचने की और न्यायसंगत विकास की नई राह दिखा सकते हैं पर इसके लिए जरूरी है कि वे कई तरह के भ्रमजाल से अपने को दूर रख सकें। दूसरी ओर, बढ़ती विषमता के बीच अरबपतियों की संख्या तेजी से बढ़ी है, और इनमें से सबसे बड़े अरबपतियों के पास आज इतनी आर्थिक शक्ति और राजनीतिक असर संचित है, जो कुछ वर्ष पहले तक संभव नहीं था। इनमें से अनेक अरबपतियों को सबसे धनी देशों की सरकारों का समर्थन इस रूप में मिल रहा है कि विश्व स्तर पर नियत्रण बढ़ाने के लिए जो कार्य सरकारी स्तर पर खुलेआम नहीं हो सकता है, वह कार्य इन अरबपतियों के माध्यम से हो सकता है। आज इन अरबपतियों द्वारा संचालित संस्थाओं का दखल स्वास्थ्य, कृषि जैसे क्षेत्रों में विश्व स्तर पर इतना बढ़ गया है कि वे नीतियों में बदलाव ला सकते हैं।

इस स्थिति में यह बहुत जरूरी हो गया है कि न्याय, समता, अमन-शांति, पर्यावरण और जैव विविधता की रक्षा से ईमानदारी और निष्ठा से जुड़े सभी लोग और संगठन अपनी प्रतिबद्धताओं और मेहनत को और बढ़ाएं तथा साथ में बहुत समझदारी से, बहुत सावधानी से आपसी सहयोग और एकता को बढ़ाएं। तभी वे बढ़ती कठिनाइयों के बीच विश्व को बेहतर और सुरक्षित भविष्य की ओर ले जा सकेंगे। युवाओं और बच्चों का बेहतर भविष्य इन प्रयासों से जुड़ा है। इस दौर की चुनौतियां और जिम्मेदारियां बहुत बड़ी हैं, और किसी भी तरह की संकीर्णता की राह पर इनसे जूझा नहीं जा सकता है, और व्यापक सोच और एकता की राह ही उचित राह है।

मैंने मदन दास की विशेषताओं से बहुत कुछ सीखा

मदन दास जी को भारत के युवाओं पर बहुत विश्वास था। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को मजबूत करने में खुद को झोंक दिया। इस यात्रा में वह जिन लोगों से प्रभावित रहे, उनमें से एक थे यशवंतराव केलकर जी। वह उनसे बहुत प्रेरित थे और अक्सर उनके बारे में बात करते थे। मदन दास जी ने विद्यार्थी परिषद के काम में अधिक से अधिक छात्राओं को शामिल करने और उन्हें एक मंच प्रदान करके सशक्त बनाने पर जोर दिया ताकि वे समाज कल्याण में योगदान दे सकें। वह अक्सर कहा करते थे कि छात्राएं जब किसी सामूहिक प्रयास में शामिल होंगी तो वह प्रयास हमेशा ही ज्यादा संवेदनशील बनकर उभरेगा।

पीएम नरेन्द्र मोदी

कुछ दिनों पहले, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ प्रचारक मदन दास देवी जी के हुए देहावसान से मुझे और लाखों कार्यकर्ताओं को जो आघात पहुंचा है, उसके लिए कोई शब्द नहीं हैं। मदन लाल जी जैसे प्रभावशाली व्यक्तित्व हमारे बीच नहीं रहे। इस चुनौतीपूर्ण सच्चाई को स्वीकारना कठिन है लेकिन इस बोध से सांत्वना मिलती है कि उनसे जो सीख मिली है और उनके आदर्श रहे हैं, हमारी आगे की यात्रा में मार्गदर्शक के रूप में काम करते रहेंगे।

मदन दास जी के साथ मुझे वर्षों तक निकटता से काम करने का सौभाग्य मिला। मैंने उनकी सादगी और मृदुभाषी स्वभाव को बहुत करीब से देखा है। वह सर्वोत्कृष्ट संगठनकर्ता थे। संगठन में काम करते हुए मैंने भी काफी समय उनके साथ बिताया है। ऐसे में स्वाभाविक ही है कि संगठन के संवर्धन और कार्यकर्ताओं के विकास से जुड़े पहलू नियमित रूप से हमारी बातचीत में शामिल होते रहे। ऐसे ही एक चर्चा के दौरान, मैंने उनसे पूछ लिया कि वह कहां के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि वैसे तो वह महाराष्ट्र के सोलापुर के पास के एक गांव के हैं लेकिन उनके पूर्वज गुजरात से आए थे। लेकिन उन्हें यह नहीं मालुम था कि वे किस गांव से आए थे। मैंने उन्हें बताया कि मेरे एक शिक्षक थे जिनका सरनेम देवी था और वे विसनगर के रहने वाले थे। बाद में, वह विसनगर और वडनगर भी गए। हमारी बातचीत भी उनसे गुजराती में होती थी।

मदन दास जी में अनेक विशिष्टताएं थीं। उन विशेषताओं एक खासियत यह भी थी कि शब्दों से आगे जाकर उन शब्दों के पीछे की भावनाओं को समझने की क्षमता। मृदु-भाषी और हमेशा मुस्कुराते रहने वाले, मदन दास जी घंटों की लम्बी चर्चाओं को संक्षेप में और कुछ ही वाक्यों में प्रस्तुत कर सकते थे।

मदन दास जी की जीवनयात्रा के पहलू विस्मयकारी हैं और उन पहलुओं को कोई इंसान तभी हासिल कर सकता है जब उसने खुद को पीछे रख दिया हो और समूह को आगे किया हो। उन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंट होने के बावजूद संघ कार्य को महत्व दिया। वह आराम का जीवन जी सकते थे, लेकिन उनका उद्देश्य कुछ और था- भारत के विकास के लिए काम करने में।

मदन दास जी को भारत के युवाओं पर बहुत विश्वास था। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को मजबूत करने में खुद को झोंक दिया। इस यात्रा में वह जिन लोगों से प्रभावित रहे, उनमें से एक थे यशवंतराव केलकर जी। वह उनसे बहुत प्रेरित थे और अक्सर उनके बारे में बात करते थे। मदन दास जी ने विद्यार्थी परिषद के काम में अधिक से अधिक छात्राओं को शामिल करने और उन्हें एक मंच

प्रदान करके सशक्त बनाने पर जोर दिया ताकि वे समाज कल्याण में योगदान दे सकें। वह अक्सर कहा करते थे कि छात्राएं जब किसी सामूहिक प्रयास में शामिल होंगी तो वह प्रयास हमेशा ही ज्यादा संवेदनशील बनकर उभरेगा। विद्यार्थियों के प्रति स्नेह उनके लिए अन्य सभी चीजों से ऊपर था। उनका वह हर समय छात्रों के बीच रहे, लेकिन पानी में कमल की तरह।

मैं ऐसे कई नेताओं को जानता हूं जिन्होंने अपना जीवन मदन दास जी के मार्गदर्शन में शुरू किया। युवावस्था के दौरान उनका उत्थान मदन दास जी से मिले मार्गदर्शन की वजह से हुआ लेकिन इसे लेकर बड़े-बड़े दावे करना उनके स्वभाव में कभी नहीं रहा।

आजकल, जन-प्रबंधन, प्रतिभा- प्रबंधन और कौशल प्रबंधन की अवधारणाएं बेहद लोकप्रिय हो गईं हैं। लोगों को समझने और उनकी प्रतिभा को संगठनात्मक लक्ष्यों पर आधारित करने में मदन दास जी को विशेषज्ञता जग-जाहिर थी। वह विशिष्ट थे क्योंकि वह लोगों की क्षमताओं को समझते थे और उसकी क्षमता के आधार पर ही उसे काम सौंपते थे। वह इस बात के पक्षधर नहीं थे कि लोगों को उनकी जरूरत के हिसाब से जिम्मेदारी सौंपी जाए। यही वजह है कि किसी भी युवा कार्यकर्ता के पास यदि कोई नया विचार होता तो मदन दास जी उसकी आवाज को आगे करते थे। यही वह मूल वजह है कि जिसकी वजह से उनके साथ काम करने वाले बहुत से लोग अपनी क्षमता के आधार पर अलग छाप छोड़ने के लिए स्व-प्रेरित हुए। इसीलिए, संगठन का उनके नेतृत्व में लगातार विस्तार होता गया।

यह कहने की जरूरत नहीं कि मदन दास जी को संगठन के काम से यात्राएं बहुत करनी पड़ती थी और उनका व्यस्त कार्यक्रम होता था। लेकिन बैठकों के लिए वह हमेशा अच्छी तरह तैयार रहते थे। उनकी कार्यसूची हमेशा सरल होती थी, बोझिल नहीं, किसी कार्यकर्ता पर बोझ भी नहीं। उनकी यह खासियत अंत तक उनमें अभिन्न रूप से बनी रही। अपनी लम्बी बीमारियों का उन्होंने डटकर सामना किया। जब भी मैं उनसे पूछता था तो कई बार पूछने के बाद ही वह बीमारी के बारे में बात करते थे। शारीरिक तकलीफों के बावजूद वह खुश रहे। बीमारी की हालत में भी वे लगातार यही सोचते रहते थे कि देश और समाज के लिए वे क्या कर सकते हैं।

मदन दास जी का शानदार एकेडमिक रिकॉर्ड था और उनके काम में यह परिलक्षित भी हुआ। एक उत्साही पाठक, जब भी कुछ अच्छा पढ़ता है तो वह उस सामग्री को उस क्षेत्र में काम करने वाले संबंधित व्यक्ति को भेज देता है। मुझे भी अक्सर ऐसी सामग्री हासिल करने का सौभाग्य मिला है। उन्हें अर्थशास्त्र और नीतिगत मामलों की भी अच्छी समझ थी। उन्होंने एक ऐसे भारत की कल्पना की थी जहां कोई भी व्यक्ति दूसरों पर निर्भर न हो और जहां प्रत्येक व्यक्ति आत्मसुधार और विकास के अवसरों से सशक्त होकर अपने पैरों पर खड़ा हो सके। मदन दास जी ने एक ऐसे भारत की कल्पना की थी जहां आत्मनिर्भरता केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि हर नागरिक के लिए जीवंत वास्तविकता हो। ऐसा समाज हो जो पारस्परिक सम्मान, सशक्तिकरण और साझा समृद्धि के सिद्धांतों पर आधारित हो। अब, जैसे-जैसे भारत विभिन्न क्षेत्रों में अधिक से अधिक आत्मनिर्भर होता जा रहा है, उनसे अधिक खुश और कोई नहीं होगा।

आज, जब हमारा लोकतंत्र जीवंत है, युवा आश्वस्त हैं, समाज दूरदर्शी है, और राष्ट्र आशा और विश्वास से भरा हुआ है, श्री मदन दास देवी जी जैसे लोगों को स्मरण करना महत्वपूर्ण हो जाता है जिन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्र की सेवा के लिए और राष्ट्र को उन्नति पथ पर ले जाने के लिए समर्पित कर दिया। उनका उददृश्य था भारत के विकास के लिए काम करना।

क्या टूथपेस्ट और शैंपू से बढ़ रहा कैंसर का खतरा, जानें क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

आज कैंसर पूरी दुनिया के लिए चुनौती बना हुआ है. हर साल बड़ी संख्या में लोग कैंसर की चपेट में आ रहे हैं. इसके एक नहीं कई कारण हैं.

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में साल 2022 में कैंसर के 14.6 लाख केस थे, जो 2025 तक बढ़कर 15.7 लाख हो सकते हैं. कैंसर एक जानलेवा बीमारी है. यह कितना खतरनाक है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले साल ही करीब 8 लाख लोगों की मौत कैंसर से हो गई थी. ये आंकड़ा साल दर साल बढ़ते ही जा रहे हैं. कैंसर का मुख्य कारण खराब खानपान, वायु प्रदूषण और फिजिकल एक्टिविटी का कम होना है. हर दिन हम कई ऐसे काम करते हैं, जो कैंसर को बढ़ावा दे सकते हैं. इन्हीं में से एक है टूथपेस्ट और शैंपू का इस्तेमाल. माना जा रहा है कि दोनों प्रोडक्ट्स को यूज करने से कैंसर बढ़ सकता है. आइए जानते हैं क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स...

क्या टूथपेस्ट से कैंसर फैल रहा है

अब सबसे बड़ा सवाल कि क्या सुबह-शाम जो टूथपेस्ट हम कर रहे हैं, उससे कैंसर का खतरा बढ़ सकता है. टोरंटो यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च में बताया गया है कि टूथपेस्ट में ट्राइक्लोसन कंपाउंड पाया जाता है, जिससे कैंसर का खतरा बढ़ सकता है. ये ऐसा प्रोडक्ट है जो शरीर में कैंसर फैलाने वाले फैक्टर को एक्टिव कर देता है. कई टूथपेस् में ट्राइस्कोसन काफी ज्यादा पाया जाता है, जो कैंसर का कारण बन सकता है. कैंसर रोग विशेषज्ञ बताते हैं कि टूथपेस्ट में पाया जाने वाला ट्राइस्कोसन आंतों के गुड बैक्टीरिया को नुकसान पहुंचा सकता है. जिससे आंतों का कैंसर फैल सकता है. इसलिए टूथपेस्ट का ज्यादा इस्तेमाल नहीं करना चाहिए.

क्या शैंपू भी कैंसर का कारण

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ड्राई शैंपू का कारण बन सकता है. ड्राई शैंपू में बेंजीन नाम का केमिकल पाया जाता है, जो शैंपू इस्तेमाल के दौरान केमिकल शरीर में चला जाता है और ब्लड कैंसर का खतरा बढ़ा सकता है. यही कारण है कि कुछ महीने पहले ही एफडीए ने अमेरिका के बाजारों से कई ब्रांड के ड्राई शैंपू पर बैन लगा दिया गया. ये ऐसे शैंपू थे, जिनमें बेंजीन ज्यादा पाई गई थी. एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ड्राई शैंपू यूज करने के दौरान बालों को गीला करना पड़ता है. ये स्प्रे की तरह होता है. इसमें बेंजिन ज्यादा पाया जाता है, जिससे ये कैंसर का कारण बन सकता है. इसलिए सावधानी पूर्वक ही इसका इस्तेमाल करना चाहिए.

इंडिया की बैठक का एजेंडा !

विपक्षी पार्टियों के गठबंधन 'इंडिया' की तीसरी बैठक मुंबई में होगी। एक बार तारीख बदलने के बाद अब 31 अगस्त और एक सितंबर को बैठक करने का फैसला हुआ है। पहली बार किसी ऐसे राज्य में गठबंधन की बैठक हो रही है, जहां भाजपा का शासन है। पहली बैठक बिहार में हुई थी, जहां राजद, जदयू और कांग्रेस की साझा सरकार है। दूसरी बैठक कर्नाटक में हुई, जहां कांग्रेस की सरकार है। तीसरी बैठक महाराष्ट्र में होगी, जहां शिव सेना, भाजपा और एनसीपी के अजित पवार गुट की सरकार है। विपक्ष की बैठक के लिए जगहों का चुनाव रणनीति के हिसाब से किया जा रहा है। लेकिन उससे ज्यादा अहम सवाल यह है कि क्या मुंबई की बैठक में उन संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा होगी, जिन्हें दो बैठकों से टाला जा रहा है?

विपक्षी पार्टियों ने अभी तक सीट बंटवारे को लेकर चर्चा नहीं है। महाराष्ट्र में कांग्रेस की सहयोगी पार्टियों शिव सेना का उद्धव ठाकरे गुट और एनसीपी का शरद पवार गुट चाहता था कि राज्य की 48 लोकसभा सीटों को लेकर तीनों पार्टियों में चर्चा हो। लेकिन कांग्रेस ने इसे टाल दिया था। प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने कहा था कि अभी चुनाव में देरी है इसलिए सीट बंटवारे की बात अभी नहीं होनी चाहिए। सोचें, जब कांग्रेस एक प्रदेश में सीट बंटवारे को लेकर बातचीत के लिए तैयार नहीं हुई तो वह पूरे प्रदेश में अभी सीट बंटवारे पर चर्चा के लिए क्या तैयार होगी?

असली पेंच यही है कि कांग्रेस के अलावा ज्यादातर पार्टियां चाहती हैं कि सीट बंटवारे पर चर्चा हो जाए। इसमें सबसे ज्यादा बेचैनी आम आदमी पार्टी, शिव सेना के उद्धव ठाकरे गुट और एनसीपी के अजित पवार गुट को है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता भी चाहते हैं कि कांग्रेस के साथ सीट बंटवारा तय हो जाए। ममता बनर्जी पहले कह चुकी हैं कि वे कांग्रेस के लिए उसके हिसाब से सीट छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं। कांग्रेस जरूर चाह रही है कि पश्चिम बंगाल में गठबंधन को लेकर तस्वीर साफ हो। वहां सीट बंटवारे से पहले यह तय होना है कि कांग्रेस और लेफ्ट एक तीसरा मोर्चा बना कर अलग लड़ेंगे और तृणमूल के साथ सीटों की रणनीतिक एडजस्टमेंट होगी या कांग्रेस और तृणमूल साथ लड़ेंगे और लेफ्ट मोर्चा अलग लड़ेगा।सो, सीट बंटवारा विपक्षी गठबंधन का सबसे बड़ा सिरदर्द है। दूसरा बड़ा मुद्दा 'इंडिया' का अध्यक्ष और संयोजक या समन्वयक बनाने का है। यह तय होना है कि शीर्ष पर सिर्फ एक पद हो या दो पद बनाए जाएं। अगर दो पद बनाए जाते हैं तो सोनिया गांधी का अध्यक्ष बनना तय होगा। तब नीतीश कुमार संयोजक बन सकते हैं। इसके अलावा समन्वय समिति के 11 सदस्यों का चयन होना है, जिसके लिए कांग्रेस के नेताओं की लॉबिंग तेज हो गई है। इसमें कांग्रेस के एक या ज्यादा से ज्यादा दो नेता को जगह मिलेगी। बाकी नेता दूसरी विपक्षी पार्टियों से लिए जाएंगे। कांग्रेस की ओर से मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी सदस्य बन सकते हैं। अगर राहुल समन्वय समिति में जाने को तैयार नहीं होते हैं तो उत्तर भारत के किसी दूसरे नेता को मौका मिल सकता है।

15 बुनकर महिलाओं को सम्मानित किया

चमोली। जनपद चमोली में 9वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय गोपेश्वर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र, विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष पुष्पा पासवान ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस दौरान हथकरघा क्षेत्र में समर्थ योजना के तहत प्रशिक्षण पूरा करने पर 15 बुनकर महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर हथकरघा उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। भारत सरकार द्वारा प्रगति मैदान, नई दिल्ली में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता आयोजित कार्यक्रम में जनपद की चार बुनकरों अनीता कण्डारी ग्राम मटई, सुनीता वर्मा चमोली, विमला देवी भीमतला तथा जयश्री चमोली ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि ने बुनकरों एवं उद्यमियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हथकरघा उद्योग ग्रामीण अर्थव्यवस्था का अभिन्न अंग है और बुनकरों को सशक्त बनाने के लिए केन्द्र व राज्य सरकार कई योजनाएं चला रही है। उन्होंने कहा कि बुनकर योजनाओं का लाभ उठाएं और नई पीढ़ी को भी हथकरघा व्यवसाय की जानकारी देकर व्यापार को आगे बढ़ाएं। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को भी प्रेरित करते हुए स्थानीय और स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने पर जोर दिया। इस दौरान वर्ष 2021–22 में हस्तशिल्प में ग्राम छिनका की बुनकर महिला आशा देवी को प्रथम पुरस्कार 6 हजार व प्रशस्त्रि पत्र तथा ग्राम रौलीग्वाड़ की बुनकर महिला को 4 हजार व प्रशस्ति पत्र दिया गया। जबकि हथकरधा में नेग्वाड़ की विनीता परमार को प्रथम पुरस्कार के तहत 6 हजार व प्रशस्त्रि पत्र तथा ग्राम छिनका की मौली देवी को द्वितीय पुरस्कार के तहत 4 हजार का पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र दिया गया। वर्ष 2022–23 में हस्तशिल्प में जोशीमठ के राम गोपाल को प्रथम पुरस्कार 6 हजार और प्रशस्ति पत्र तथा विरही की नर्वदा देवी को द्वितीय पुरस्कार 4000 व प्रशस्त्रि पत्र दिया गया। जबकि हथकरघा में मटई की अनीता कण्डारी को प्रथम पुरस्कार 6 हजार व प्रशस्ति पत्र तथा विरही के इन्द्र सिंह को द्वितीय पुरस्कार 4 हजार व प्रशस्ति पत्र दिया गया। इस अवसर पर बुनकर सेवा केन्द्र के तकनीकी अधीक्षक, अक्षय पांडेय सहित जनपद के बुनकर मौजूद रहे।

रुद्रप्रयाग में एक व्यक्ति ने लगाई अलकनंदा नदी में छलांग

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग नगर में पुराने नगर पालिका कार्यालय के समीप एक व्यक्ति को लोगों ने उफनती अलकनंदा नदी में बहता देखा। हालांकि सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची किंतु नदी का जल स्तर अधिक होने से व्यक्ति का कोई पता नहीं लग पाया है। पुलिस को मौके पर जूते और जुराब बरामद हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह पौने दस बजे पुराने नगर पालिका कार्यालय के समीप स्थित घाट से एक व्यक्ति ने उफनती अलकनंदा नदी में छलांग लगा दी है। देर शाम तक व्यक्ति का कोई पता नहीं चल पाया है। सूचना मिलने पर कोतवाली निरीक्षक जयपाल सिंह नेगी मय फोर्स मौके पर पहुंचे। जहां उन्होंने पुलिस बल की मदद से खोजबीन शुरु की। जल पुलिस संगम से लेकर गुलाबराय तक खोजबीन में जुट गई है। कोतवाली निरीक्षक जयपाल सिंह नेगी ने बताया कि घटना पौने दस बजे सुबह की है। उन्होंने बताया कि 40 वर्षीय व्यक्ति ने यहां कुछ देर मुंह हाथ धोया और इसके बाद वह नदी में बह गया। बताया कि आसपास के लोगों ने उसे डूबते देखा है। मौके से उसके जूते और जुराब बरामद किए गए हैं। बताया जा रहा है कि उक्त व्यक्ति की जींस और टीसर्ट पहनी हुई थी। पुलिस संबंधित व्यक्ति के बारे में जानकारी जुटा रही है।

दो सूत्रीय मांगों को लेकर रजिस्ट्रार कानूनगो संघ कार्यबहिष्कार पर

चमोली। जोशीमठ में जिला रजिस्ट्रार कानूनगो संघ (आरके संघ) सोमवार से दो सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चित कालीन कार्य बहिष्कार पर चला गया है। जिससे तहसील स्तर के विविध कार्य बाधित होने लगे हैं और दूरस्थ गांवों से आये काश्तकारों को भारी परेशानी हो रही है।

बता दें कि तहसीलों में निर्वाचन डाटा अपडेसन के लिए डाटा ऑपरेटरों की नियुक्तियां शासन स्तर से हो रखी है लेकिन ये डाटा ऑपरेटर कभी तहसील में आये ही नहीं वर्षों से निर्वाचन डाटा ऑपरेटर जिला मुख्यालयों में अटैच हो रखे हैं। जिस कारण से तहसीलों में कार्यरत आरके को ही निर्वाचन डाटा को कम्प्यूटरीकृत करना पड़ रहा है व उनके मुख्य कार्य लंबित हो रहे हैं। आरके संघ के जिला सचिव एवं प्रांतिय कार्यकारणी सदस्य नरेन्द्र सिंह रावत ने बताया कि कई बार पत्राचार करने के बाद भी अभी तक निर्वाचन डाटा ऑपरेटरों को तहसीलों में नहीं भेजा जा रहा है। कहा कि वर्तमान में तहसील के विविध कार्य ऑनलान कर दिए गए हैं लेकिन आरके सेक्सन में तहसील कार्यों के लिए भी डाटा ऑपरेटर नहीं भेजा जा रहा है जिस कारण आरके सेक्सन में कार्य की अधिकता हो रही है और तहसीलदार न्यायालय एवं आन लाइन संबंधित कार्य बाधित हो रहे हैं। कहा कि जब तक निर्वाचन डाटा ऑपरेटर एवं तहसील आनलाइन कार्य डाटा ऑपरेटर आरके सेक्सन में नियुक्त नहीं हो जाते तब तक निर्वाचन एवं तहसील न्यायालय का कार्य बहिष्कार जारी रहेगा।

छात्रों को करियर संबंधित टिप्स दिए

चमोली। नांदी महिन्द्रा प्राइड क्लासरूम के अन्तर्गत राजकीय महाविद्यालय तलवाड़ी में छह दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम के प्रथम दिवस का सरस्वती पूजा एवं दीप प्रज्वलित कर प्राचार्य डा. योगेन्द्र चन्द्र सिंह द्वारा शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि शिक्षा नीति 2020 के कौशल विकास के देशव्यापी अभियान के तहत यह प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्र–छात्राओं के सॉफ्ट स्किल्स सहित इनके समग्र व्यक्तित्व विकास और करियर निर्माण हेतु उन्नत मार्ग प्रशस्त करेगा। मुख्य प्रशिक्षक डॉ. प्रभात दिवाकर ने बताया कि यह प्रशिक्षण वर्तमान वैश्विक जब मार्केट की आवश्यकताओं के संदर्भ में व्यक्तित्व व करियर निर्माण में छात्र छात्राओं की मदद के साथ ही उन्हें बेहतर, सजग एवं कर्मठ पेशेवर सुचिंतित नागरिक बनने में मददगार होगा। कौशल विकास सेल के संयोजक डॉ. शंकर राम के अनुसार अंग्रेजी बोलने, जीवनकौशल, योग्यता, साक्षात्कार, समूह चर्चा और डिजिटल साक्षरता को इस प्रशिक्षण पैकेज में कवर किया गया है। कार्यक्रम का संचालन डॉ ललित जोशी द्वारा किया गया।

दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने की राज्यपाल से भेंट

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से सोमवार को राजभवन में दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने भेंट कर दून विश्वविद्यालय में भारत सरकार द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के लिए पहली डीएसटी–पर्स लैब की स्थापना के सम्बन्ध में जानकारी दी। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर कुलपति सहित विश्वविद्यालय परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कहा कि यह न केवल दून विश्वविद्यालय के लिए बल्कि पूरे उत्तराखण्ड राज्य के लिए गर्व की बात है कि विश्वविद्यालय को डीएसटी–पर्स लैब की स्थापना के लिए चयनित किया गया है। उन्होंने कहा कि डीएसटी–पर्स लैब की स्थापना, विश्वविद्यालय में रिसर्च और नवाचार के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार हेतु सहायक होगी। कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने राज्यपाल को बताया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने दून विश्वविद्यालय, देहरादून में उत्तराखण्ड राज्य के लिए पहली डीएसटी पर्स (पीयूआरएसइ) लैब स्थापित करने की मंजूरी दी है। डी०एस०टी० द्वारा अभी तक इस प्रतिष्ठित पर्स (पीयूआरएसइः प्रमोशन आफ युनिवर्सिटी रिसर्च एंड साइंटिफिक एक्ससेलेंस) योजना के तहत अनुदान के लिए उत्तराखण्ड राज्य में किसी भी संस्थान का चयन नहीं किया है।

रोड नहीं तो वोट नहीं का ऐलान किया

चमोली। बदरीनाथ विधानसभा क्षेत्र के मासो, कफलखेत, दादड व देवखाल के ग्रामीणों का कहना है कि वे बीते 25 सालों से क्षेत्र में मोटर मार्ग निर्माण की मांग कर रहे हैं।

जिस पर वर्ष 2021 में 1.5 किमी का सड़क कटिंग कार्य भी आरम्भ भी हुआ। लेकिन माह अगस्त 2021 में कटिंग कार्य रोक दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार क्षेत्रवासियों द्वारा मौखिक व लिखिक रूप से विभाग को जानकारी दी गई। लेकिन विभाग के अधिकारियों द्वारा बार–बार केवल आश्वासन ही दिया गया। जिस कारण समस्त क्षेत्रवासियों में नाराजगी की स्थिति बनी हुई है।

हरिद्वार में जलभराव से नुकसान का सर्वे आज से

देहरादून। प्राकृतिक आपदाओं की वजह से राज्य को हुए नुकसान को सर्वे मंगलवार से शुरू हो जाएगा। केंद्रीय गृहमंत्रालय की उच्च स्तरीय कल से हरिद्वार में अतिवृष्टि की वजह से हुए फसलों के नुकसान का सर्वे करेगी। अंतर मंत्रालय स्तरीय टीम के नौ सदस्य कल हरिद्वार, नौ अगस्त को लक्सर और फिर 10 अगस्त को रुड़की का मुआयना करेगी। 10 अगस्त को सचिवालय में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में प्रस्तावित बैठक में टीम के सामने राज्य में आपदा से हर साल होने वाले नुकसान की रिपोर्ट को रखा जाएगा।

सोमवार को आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास सचिव डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा ने अधिकारियों के साथ बैठक कर दिशानिर्देश दिए। कृषि विभाग को आपदाओं के कारण होने वाले उत्पादकता के नुकसान की रिपोर्ट तैयार करने को कहा है। सभी विभागों से मानसून के दौरान हुए नुकसान का वर्षवार ब्योरा तैयार करने के निर्देश भी दिए गए हैं।डॉ. सिन्हा ने बताया कि वर्तमान मानसून सीजन के दौरान अब तक राज्य में अतिवृष्टि, बाढ़ व अन्य आपदाओं के कारण हुए नुकसान का आंकलन करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विभिन्न मंत्रालयों की उच्चस्तरीय टीम का गठन किया है। यह टीम आठ से 10 अगस्त तक हरिद्वार जिले का मुआयना करेगी। प्राकृतिक आपदाओं की वजह से राज्य को होने वाले नुकसान का ब्योरा भी टीम के समक्ष रखा जाएगा। इसके लिए सभी विभागों को वर्षवार ब्यौरा बनाने के लिए कहा गया है।

मालूम हो कि वर्तमान मानसून में कुछ ही दिनों के भीतर प्रदेश में अतिवृष्टि और बाढ़ के कारण काफी नुकसान हुआ है। 15 जून से अब तक 8582 हैक्टेयर भूभाग में गन्ना, सब्जी, आदि विभिन्न फसलें बर्बाद हो गई है। इनमें अकेले हरिद्वार में सर्वाधिक आठ हजार हैक्टेयर से ज्यादा क्षेत्र में खेती बर्बाद हुई है।

10 अगस्त को टीम के सदस्य सचिवालय में मुख्य सचिव के साथ भी बैठक करेंगे।बैठक में अपर सचिव सविन बंसल, नवनीत पाण्डेय, डॉ.अमनदीप कौर, यूएसडीएमए के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहम्मद ओबेदुल्लाह अंसारी, ईडी डॉ. पीयूष रौतेला आदि मौजूद रहे।

शिव मंदिरों में की पूजा–अर्चना

चमोली। सावन के सोमवार को मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। नगर के मुख्य बाजार, संगम, उमा माहेश्वर आश्रम, सांकरी, सिमली के तटेश्वर, लंगासू के वशिष्ठेश्वर, गोमती प्रयाग, सोनला के तुलसी महादेव, बमौथ के पास जलेश्वर महादेव, बगोली में बबलेश्वर महादेव में भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। वहीं कपीरी के छांतेश्वर महादेव, शैलेश्वर महादेव, बसुकेदार सहित आस पास के शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। वहीं गौचर नगर के धारीनगर में स्थित रघुनाथ मंदिर में आयोजित शिव महापुराण कथा को सुनने के लिए भी भारी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं।

देवली के निधन पर जताया शोक

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी कैलाश चन्द्र देवली के आकस्मिक निधन पर विभिन्न लोगों ने शोक जताया है। अनेक संगठनों के लोगों ने कहा कि देवली के निधन से मुख्यालय ही नहीं सम्पूर्ण जनपद में शोक की लहर है। शोक व्यक्त करने वालों में आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष किशोरी नंदन डोभाल, रुद्रप्रयाग विधायक भरत सिंह चौधरी, केदारनाथ विधायक शैलारानी रावत, जिपंअ अमरदेई शाह, पूर्व विधायक मनोज रावत, ब्लॉक प्रमुख जखोली प्रदीप थपलियाल, भाजपा जिलाध्यक्ष महावीर पंवार, कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महामंत्री प्रदीप बगवाड़ी, व्यापार संघ के जिलाध्यक्ष अंकुर खन्ना, सामाजिक कार्यकर्ता अशोक चौधरी, व्यापार संघ के अध्यक्ष राय सिंह बिष्ट, कांग्रेस के नगर अध्यक्ष प्रशांत डोभाल, कांता नौटियाल, भाजपा के पूर्व महामंत्री अजय सेमवाल, यूकेडी के जिलाध्यक्ष बुद्धिबल्लभ ममगाईं, स्थानीय व्यापारी प्रदीप चौधरी, व्यापार संघ के पूर्व अध्यक्ष माधो सिंह जितार जगवाण, आदि शामिल है।

न्याय पाने के लिए आज से डीएम दफ्तर पर भूख हड़ताल पर बैठेंगे राकेश

रुद्रप्रयाग। बीते दो सालों से न्याय न मिलने से परेशान राकेश अनवाल आज मंगलवार से डीएम दफ्तर के समीप भूख हड़ताल पर बैठेंगे। उन्होंने शासन–प्रशासन और पुलिस पर लम्बे समय से गुमराह करने का आरोप लगाया। कहा कि उनकी शिकायत पटवारी से लेकर मुख्यमंत्री तक पहुंच गई है किंतु न्याय देने में हर कोई पल्लू झाड़ रहा है। प्रेस को जारी पत्र में मैखंडा तल्ला जनपद रुद्रप्रयाग निवासी राकेश अनवाल ने बताया कि उनके परिजन और कुछ रिश्तेदार पिछले र्क वषी से उन्हें परेशान कर रहे हैं। जिसकी उन्होंने 23 फरवरी 2022 को जिलाधिकारी कार्यालय को शिकायत दी। कार्रवाई न होने पर दोबारा 16 मार्च 2022 सीएम हेल्पलाइन 1905 के माध्यम से गुप्तकाशी थाने में शिकायत दर्ज की, किंतु इस पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद फिर 24 सितम्बर 2022 को फिर मुख्यमंत्री कार्यालय को शिकायत दी लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। काफी प्रयास और संघर्ष करने के बाद 22 फरवरी 2023 को गुप्तकाशी थाने में एफआईआर दर्ज की गई। इन तमाम शिकायतों के बाद शासन–प्रशासन उन्हें न्याय नहीं दे रहा है।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर बैठक 9 अगस्त को

रुद्रप्रयाग। स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजन की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी सौरभ गहरवार की अध्यक्षता में 9 अगस्त को बैठक आयोजित की जाएगी। अपर जिलाधिकारी दीपेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि बीते वषी की तरह इस वर्ष भी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाए जाने को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार कक्ष में पूर्वाह्न 11 बजे से बैठक होगी। उन्होंने समस्त जनपद स्तरीय अधिकारियों से निर्धारित तिथि व समय पर बैठक में प्रतिभाग करने का आह्वान किया है।

नरेन्द्रनगर में डंपर खाई में गिरने से चालक घायल

नई टिहरी। नरेंद्रनगर के पास एक होटल के समीप बने मलबे के डंपिंग जोन में एक डंपर के खाई में गिरने से चालक घायल हो गया। मौके पर पहुंची नरेन्द्रनगर थाना पुलिस और एसडीआरफ की टीम ने चालक को खाई से निकालकर नरेन्द्रनगर चिकित्सालय में उपचार हेतु भर्ती करवाया है। नरेन्द्रनगर थानाध्यक्ष पंकज देवरानी ने बताया कि सोमवार दोपहर करीब 12 बजे के आसपास ऋषिकेश चंबा हाईवे पर नरेन्द्रनगर के समीप चाचा भतीजा होटल से सटे डंपिंग जोन में एक डंपर मलबा डालने गया था।

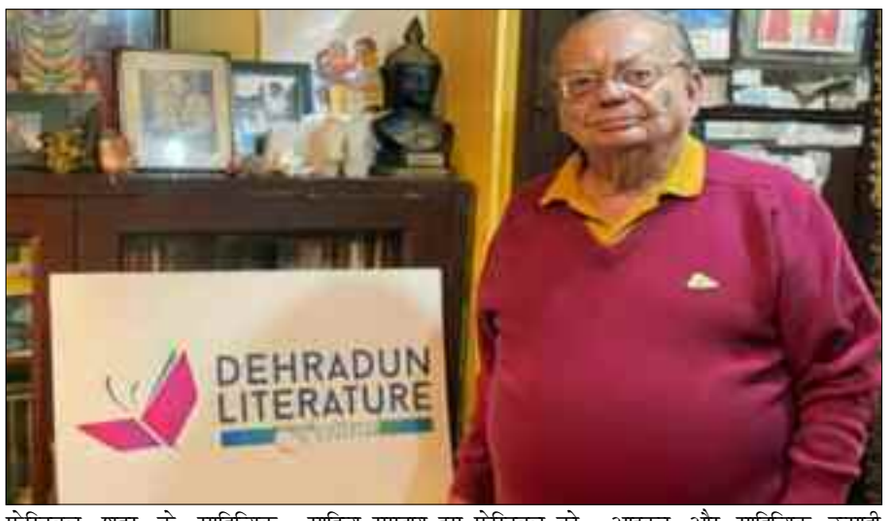

रस्किन बॉन्ड ने किया देहरादून लिटरेचर फेस्टिवल के 5वें संस्करण के नए लोगो का अनावरण

देहरादून। देहरादून लिटरेचर फेस्टिवल (डीडीएलएफ) ने आज अपना नया लोगो लॉन्च किया, जो की एक तितली और एक किताब का मिश्रण है, और जो दून घाटी में प्रकृति और साहित्यिक विरासत के समृद्ध मिश्रण का प्रतीक है। लोगो का अनावरण प्रसिद्ध लेखक और पद्म भूषण पुरस्कार विजेता रस्किन बॉन्ड द्वारा किया गया, जो विश्व भर में कई महत्वाकांक्षी लेखकों और पाठकों के लिए मार्गदर्शक और प्रेरणा का स्त्रोत माने जाते हैं। डीडीएलएफ के संस्थापक और निर्माता समरांत विरमानी ने कहा, हमारे शहर के लिए एक शाश्वत साहित्यिक प्रेरणा, रस्किन बॉन्ड ने एक उद्धरण साझा किया है जो हम सभी के साथ गहराई से गूंजता है ॾ ह्यजब सभी युद्ध खत्म हो जाएंगे, तब भी एक तितली सुंदर ही दिखेगी। देहरादून लिटरेचर फेस्टिवल के लिए हमारे पुनर्कल्पित लोगो में, इस तितली को साहित्य और प्रकृति के सहज मिश्रण के साथ अपना उचित स्थान मिला है। यह लोगो हमारे शहर को परिभाषित करने वाली शैक्षिक उत्कृष्टता को भी श्रद्धांजलि देता है। मैं लोगो के नए लॉन्च के लिए रस्किन बॉन्ड को धन्यवाद देता हूं; यह हमारे लिए सम्मान की बात है।

लोगो लॉन्च करते हुए रस्किन बॉन्ड ने कहा, उत्तराखंड के अपने साहित्य महोत्सव को समुदाय में इतना प्यार पाते देख मुझे बेहद ख़ुशी हो रही है। मैं नए लोगो के लॉन्च पर देहरादून लिटरेचर फेस्टिवल की पूरी टीम को बधाई देता हूँ और फेस्टिवल के आगामी संस्करण के लिए बहुत–बहुत शुभकामनाएं देता हूँॾ अपने 7वें वर्ष में देहरादून लिटरेचर फेस्टिवल शहर के साहित्यिक परिदृश्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। फेस्टिवल की गूंज और प्रत्याशा ऐसी है कि देहरादून का साहित्य समुदाय इस फेस्टिवल को अपना मानता है। आगे बताते हुए समरांत ने कहा, ह्लडीडीएलएफ की शुरुआत के दौरान, हमारे पास प्रतिष्ठित आइकन और साहित्यिक उत्साही लोगों को जोड़ने और देहरादून के साहित्यिक समुदाय के लिए कुछ अच्छा करने का एक दृष्टिकोण था। धीरे–धीरे इस समुदाय ने हमारे फेस्टिवल को अपना लिया। पिछले कई वर्षों में मैंने यह महसूस किया है कि देहरादून शहर का साहित्यिक समुदाय डीडीएलएफ को उस क्षितिज की ओर लेकर जा चुका है जिसकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की थीॾ इस महोत्सव का 5वां और नवीनतम संस्करण अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में आयोजित किया जाएगा। 2023 डीडीएलएफ साहित्य, कला, सिनेमा और पॉप संस्कृति क्षेत्रों के प्रतिष्ठित वक्ताओं की मेजबानी करेगा, और इसका वेन्यू और स्पीकर लिस्ट जल्द ही घोषित की जाएगी। देहरादून लिटरेचर फेस्टिवल ऐतिहासिक शहर देहरादून में साहित्य, संस्कृति और कला का एक वार्षिक उत्सव है, जो अपनी गहरी साहित्यिक, शैक्षिक और प्राकृतिक विरासत से जगमगाता है।

दून अस्पताल के बाल रोग विभाग में भर्ती 15 वर्षीय बहन को देखने आए एक

देहरादून। दून अस्पताल के बाल रोग विभाग में भर्ती 15 वर्षीय बहन को देखने आए एक किशोर की तबीयत बिगड़ने पर मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही और उसे न देखने का आरोप लगाकर हंगामा किया। घंटों तक हंगामा चलता रहा। पुलिस कर्मियों एवं सुरक्षा गार्डों ने स्थिति को संभाला। बाद में परिजन बिना पोस्टमार्टम के शव को ले गए।

मूलरूप से यूपी के हरदोई के रहने वाले सर्वेश अजबपुर कलां में किराये पर रहते हैं। उन्होंने अपनी बेटी सलोनी 15 वर्ष को तबीयत खराब होने पर शनिवार को पीडिया वार्ड में भर्ती कराया। शाम को उनका छठी में पढ़ने वाला बेटा प्रिंस बहन को देखने अपनी मौसी रेखा के साथ आया था। रात को वह यहीं रूक गया। परिजनों के मुताबिक देर रात करीब 12 बजे उसके पेट में दर्द हुआ तो उसने नर्सिंग स्टाफ को बताया। कुछ दवा लिखकर दी गई। बाहर से 250 रुपये की दवा खरीदकर लाए। आराम नहीं लगा। काफी देर तक डॉक्टर नहीं आए। फिर इमरजेंसी में भेज दिया गया। आरोप है कि वहां करीब दो घंटे बैठा रहा, लेकिन समुचित इलाज नहीं दिया गया। सुबह हालत ज्यादा खराब हुई तो पीकू वार्ड में लिया गया। बाद में उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे का पेट फूल गया था। देर शाम कार्यवाहक एचओडी डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि फैकल्टी से पता किया है। रात को बच्चे को डॉक्टरों द्वारा वार्ड–इमरजेंसी में देखा है। सुबह दोबारा आने पर वार्ड में भर्ती किया। पेट दर्द की वजह पता लगाने अल्ट्रासाउंड का इंतजार किया जा रहा था। इसी बीच तबीयत बिगड़ने पर पीकू में लाया गया। इसी दौरान उसकी मौत हो गई। परिजन बच्चे को लेकर चले गए। डीएमएस डॉ. धनंजय डोभाल का कहना है कि विभाग से विस्तृत रिपोर्ट ली जा रही है। रात में जेआर–एसआर रहते हैं। लापरवाही मिलने पर कार्रवाई होगी। घटना की जानकारी तुरंत अफसरों को देने को निर्देशित किया जा रहा है।

स्कूल ड्रेस में ही चला गया मेरा लाल..

मां अर्चना, मौसी रेखा समेत परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल था। उनका कहना था कि शनिवार को ही दोनों भाई प्रिंस और दिव्यांशु की ड्रेस लेकर आए थे। ड्रेस में ही वह बहन को देखने आया था। जिद करके रात को यहां रुक गया और रात को तबीयत खराब हो गई। अस्पताल स्टाफ इधर उधर दौड़ाते रहे, ना स्ट्रेचर मिला, ना व्हील चेयर और न दवा।

अफसरों को सूचना तक नहीं दीः बाल रोग विभाग में किशोर की मौत एवं हंगामे की जानकारी पर कोई वरिष्ठ डॉक्टर या अफसर नहीं पहुंचे घंटों तक हंगामा हुआ।

युवक की मौत के मामले में पत्नी पर हत्या का आरोप

चमोली। कर्णप्रयाग ब्लाक के घतौड़ा गांव में कमरे के अंदर हुई युवक की संदिग्ध मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। परिजनों की शिकायत पर राजस्व पुलिस ने पत्नी पर हत्या का केस दर्ज किया है।

मामले में राजस्व पुलिस की कार्रवाई के बाद रेगुलर पुलिस को जांच ट्रांसफर कर दी गई है।

बीते 30 जुलाई को घतौड़ा गांव का दीपक सिंह पुत्र माधो सिंह अपने कमरे में मृत मिला था। राजस्व पुलिस के अनुसार इस दौरान मृतक की पत्नी कमरे में ही थी। जिस पर मृतक के चचेरे भाई जयवीर सिंह ने परिजनों की ओर से बीते शुक्रवार को राजस्व पुलिस में मृतक की पत्नी पर दीपक की हत्या की साजिश करने का आरोप लगाया।

सचिव आपदा प्रबन्धन डा0 रंजीत कुमार सिन्हा ने की आपदाओं के कारण हुई क्षति की समीक्षा की

देहरादून। सचिव आपदा प्रबन्धन डा0 रंजीत कुमार सिन्हा ने सोमवार को सचिवालय में विभिन्न विभागों के साथ प्रदेश में हाल ही में आपदाओं के कारण हुई क्षति की समीक्षा की। सचिव आपदा प्रबन्धन डा0 सिन्हा ने जानकारी दी कि वर्तमान मानसून अवधि में राज्य में अतिवृष्टि, बाढ़ व अन्य आपदाओं के कारण हुयी क्षति के आँकलन हेतु गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित अन्तरमंत्रालयस्तरीय केन्द्रीय दल द्वारा 8 से 11 अगस्त के मध्य हरिद्वार जनपद का भ्रमण किया जाना प्रस्तावित है।सचिव आपदा प्रबन्धन ने प्रत्येक विभाग से वर्तमान मानसून अवधि में हुई समस्त क्षतियों की जानकारी ली। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि इस मानसून अवधि में हुयी समस्त क्षतियों के श्रेणीवार विवरण तथा सटीक डाटा का विवरण जल्द से जल्द तैयार किया जाय। सचिव आपदा प्रबन्धन ने कहा कि सभी विभाग प्रत्येक मानसून अवधि में हुई क्षति का वर्षवार डाटा तैयार करें ताकि इसका तुलनात्मक अध्ययन किया जा सके।

सम्बन्ध विच्छेद

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र कमल सिंह रावत उम्र 38 वर्ष एवं पुत्रवधु रंजना देवी उम्र 35 वर्ष पत्नी कमल सिंह रावत मेरे कहने-सुनने में नहीं है। मेरे पुत्र कमल सिंह रावत ने प्रेम विवाह किया है। मेरा पुत्र एवं पुत्रवधु मेरी देखरेख नहीं करते है, जो बुरी संगति में पड़ चुके है। दोनों पति-पत्नी आपस में मारपीट करते रहते है तथा आपस में बोलचाल और हाथापाई करते रहते है। जो मुझे व मेरे परिवार को तंग परेशान करते रहते है। उनकी इन हरकतों से तंग और परेशान होकर मैंने अपने पुत्र कमल सिंह रावत एवं पुत्रवधु रंजना देवी को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से हमेशा के लिए बेदखल कर दिया है। आज के बाद मेरे उक्त पुत्र व पुत्रवधु का मुझसे तथा मेरे पूरे परिवार से कोई सम्बन्ध नहीं रहेगा। मेरे पुत्र एवं पुत्रवधु द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के लेन-देन, अपराध एवं कृत्य आदि के लिए वह स्वयं जिम्मेदार रहेगें। उनके द्वारा किये गये किसी भी अनैतिक कृत्य, अपराध, लेन-देन आदि के लिए मैं तथा मेरा परिवार जिम्मेदार नहीं होगा।

गबर सिंह रावत पुत्र स्व. शिवराज सिंह रावत निवासी ग्राम लालपुर, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

ऐडवटोरियल

वोकल फॉर लोकल से स्थानीय उत्पादों को मिल रही पहचान

प्रकृति की गोद में बसा और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से भरा उत्तराखंड, हथकरघा, हस्तशिल्प, औषधीय चमत्कारों और खाद्य उत्पादों का प्रमुख केंद्र है। देश के प्रधानमंत्री, नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तराखंड की उल्लेखनीय परंपराएं और भरपूर प्राकृतिक उत्पाद, रचनात्मकता और सरलता का केंद्र बनते हुए, भारत सहित दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। राज्य की हथकरघा बुनाई जैसी बेजोड़ कला को नई पहचान दिलाने और बुनकरों के विकास के लिए प्रदेश के युवा मुख्यमंत्री, पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में नित्य नए प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तराखंड में हथकरघा और हस्तशिल्प, मोटे और पौष्टिक अनाज, रेशम और इको-टेक्सटाइल, बांस की बोतल और प्राकृतिक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए डबल इंजन की सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं।

उत्तराखंड के कुशल कारीगर, अपनी फुर्तीली उंगलियों और पारंपरिक तकनीकों की गहरी समझ के साथ बेहद उत्कृष्ट और लोकप्रिय उत्पाद बनाते हैं। शिल्प कौशल का यह अद्भुत गुण उनके लिए एक वसीयतनामा है। अपनी विरासत को संरक्षित करने के लिए बुनकरों का समर्पण यह दर्शाता है कि किस तरह वे बड़े गर्व के साथ अपने पूर्वजों के अतुल्य ज्ञान को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने के लिए समर्पित हैं। उत्तराखंड के प्रतिभाशाली कारीगर अपनी बेहतरीन कला के जरिए शानदार उत्पाद बनाते हैं। उनके द्वारा बनाए गए हर एक उत्पाद में लाजवाब रचनात्मकता की झलक दिखती है। उनके इस हौसले को बनाए रखने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी हर पल साथ हैं।

उत्तराखंड की उपजाऊ मिट्टी और अनुकूल जलवायु से प्रचुर मात्रा में ताजा उपज और अद्वितीय सामग्री प्राप्त होती है। सुगंधित मसालों से लेकर खाद्य उत्पादों तक, प्रत्येक उत्पाद के स्वाद मंत्रमुग्ध कर देते हैं। वहीं लजीज व्यंजन, यहां आने वाले पर्यटकों को बेजोड़ स्वाद का यादगार अनुभव देते हैं। उत्तराखंड भारत का एक ऐसा राज्य है, जहां आप उत्कृष्ट कला की जीवंत विरासत को देख सकते हैं। पारंपरिक व्यंजनों के अनचखे स्वाद का लुत्फ उठा सकते हैं। साथ ही, उन प्राकृतिक खाद्य पदार्थों की भी खोज कर सकते हैं, जिन्हें पीढ़ियों से पोषित और संरक्षित किया गया है।

"हम राज्य के क्षमतावान, समर्पित और मेहनती युवाओं के साथ रिफॉर्म-परफॉर्म-ट्रांसफॉर्म के मंत्र को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। विविध क्षेत्रों की परियोजनाएं, जिनमें विनिर्माण, खाद्य प्रसंस्करण, स्वास्थ्य देखभाल, पर्यटन और ऊर्जा शामिल हैं, के माध्यम से पूरे राज्य में विकास हो रहा है। नवाचार और उद्यमिता संस्कृति का विकास पूरे राज्य में देखा जा सकता है। उत्तराखंड में आने वाले निवेशकों और हितधारकों को सभी प्रयासों में सरकार का समर्थन है और हम राज्य के विकास के लिए काम कर रहे हैं।"

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

"21वीं सदी के लिए एक विकसित भारत का निर्माण दो प्राथमिक स्तंभों पर टिका है, पहला, हमारी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज इन दोनों स्तंभों को उत्तराखंड मजबूत कर रहा है। यह दशक उत्तराखंड का दशक होगा।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

उत्तराखंड हथकरघा और हस्तशिल्प : एक समृद्ध परंपरा

...करघा क्षेत्र भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रमुख ...ओं में से एक है। हिमालयी राज्यों में कश्मीर घाटी ...पश्मीना, हिमाचल प्रदेश की कुल्लू और किन्नौरी, ...खंड की हथकरघा साड़ियां आदि प्रमुख हैं। ...शिल्प और हथकरघा उत्तराखंड की एक प्राचीन ...ा है। उत्तराखंड राज्य की शिल्पकला प्राचीन काल ...ी बहुत समृद्ध रही है। यह सदियों से स्थानीय लोगों ...लिए आजीविका का एक प्रमुख स्रोत रहा है। राज्य ...न के बाद इस क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा होने ...रोजगार की अपार संभावना को देखते हुए सरकार ने ...खंड हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद के ...में एक अलग निकाय का गठन किया।

उत्तराखंड हथकरघा और हस्तशिल्प विकास परिषद

...उत्तराखंड के कारीगरों को प्रेरित करने, उनका मार्गदर्शन ...ने और उन्हें संगठित करने के लिए उत्तराखंड सरकार ...एक एजेंसी के रूप में स्थापित की गई।
...यह हथकरघा और हस्तशिल्प के समग्र विकास के ...ए शीर्ष निकाय के रूप में कार्य करने के लिए सरकार ...ा स्थापित एक पंजीकृत सोसायटी है।
...उसका उद्देश्य राज्य में हस्तशिल्प को बढ़ावा देना और ...नई रोजगार के अवसर पैदा करना है।
...हिमाद्रि पंजीकृत ट्रेडमार्क के तहत यूएचएचडीसी और राज्य की गुणवत्ता और वास्तविक शिल्प उत्पादों की पहचान के रूप में ब्रांड की स्थापना की गई है।

- यूएचएचडीसी एम्पोरियम के माध्यम से असली हस्तनिर्मित उत्पादों को "हिमाद्रि" ब्रांड नाम से बेचा जा रहा है।
- हिमाद्रि के बैनर तले, उत्तराखंड के हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों को शिल्प बाजारों, दिल्ली हाट, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला, सूरजकुंड मेला और अन्य प्रदर्शनियों में एवं कारीगरों द्वारा बाजारों में भाग लेकर प्रदर्शित किया जाता है। वर्तमान में, हिमाद्रि शोरूम नई दिल्ली में देहरादून, उत्तरकाशी, हल्द्वानी, हरिद्वार और उत्तराखंड सदन में है।
- इसके अलावा, सरकार की नोडल एजेंसी के रूप में यूएचएचडीसी समय-समय पर कई शिल्प मेलों/प्रदर्शनियों/प्रशिक्षण का आयोजन करती है।

यूएचएचडीसी ने प्रसिद्ध ई-कॉमर्स साइट Amazon के साथ भी करार किया है, जिसमें अब तक लाखों रुपये के हैंडीक्राफ्ट उत्पाद बिक चुके हैं और इन उत्पादों को विश्वस्तरीय पहचान मिल रही है।

हिमाद्रि एम्पोरियम
परेड नगर, देहरादून, दूरभाष: 0135-2728273
मोबाइल : 7060450043,9412956281

राजमा

(रामगढ़, मुनस्यारी, चकराता, हर्षिल)

उत्तराखंड किडनी बीन्स या राजमा की सौ से अधिक किस्मों का घर है और सीमांत किसानों द्वारा नकदी फसल के रूप में बड़े पैमाने पर राज्य भर में उगाया जाता है। इसे उबालकर, सेंक कर या दाल के रूप में खाया जा सकता है। दाल बनाने के लिए साबुत अनाज को भिगोया जाता है, फिर तला या उबाला जाता है। यह समुद्र तल से 1000 से 2000 मीटर की ऊंचाई पर उगाया जाता है।

स्थानीय नाम: राजमा, छेमी, वानस्पतिक नाम: फैजोलस वल्गेरिस किस्म: पूसा पार्वती, जम्पा, अर्का कोमल, पंत अनुपमा, पंत बीन 2 पोषक तत्व: पानी 12.0 ग्राम, प्रोटीन 22.9 ग्राम, फैट 1.3 ग्राम, आयरन 6.8 मिलीग्राम, कैल्शियम 260 मिलीग्राम, कार्बोहाइड्रेट 60.6 ग्राम और फास्फोरस 410 मिलीग्राम।

कुलथ

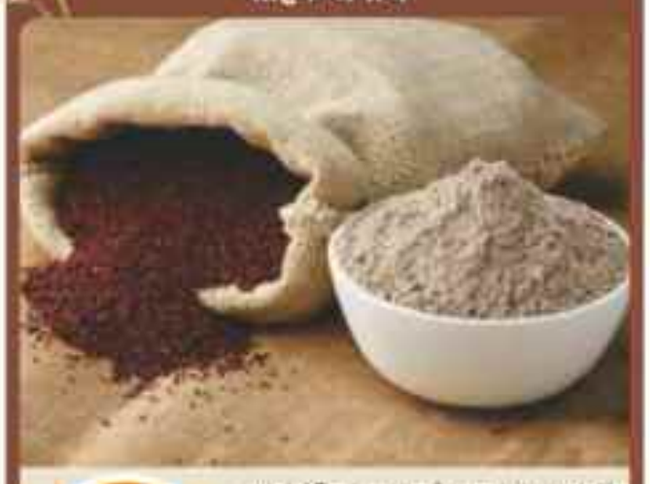

यह दाल उत्तराखंड की मिट्टी में विस्तृत रूप से उगता है। इसे स्थानीय भाषा में कुलथ/गहत रूप से जाना जाता है। यह उत्तराखंड की एक बहुत पसंदीदा दाल है। यह गठिया और गुर्दे की पथरी से राहत के लिए उपयोग किए जाने वाले औषधीय गुणों के लिए भी प्रसिद्ध है। दाल या सूप बनाने के लिए साबुत अनाज को भिगोया जाता है फिर तला या उबाला जाता है। यह समुद्र तल से 1200 मीटर से 1800 मीटर की ऊंचाई पर उगाया जाता है।

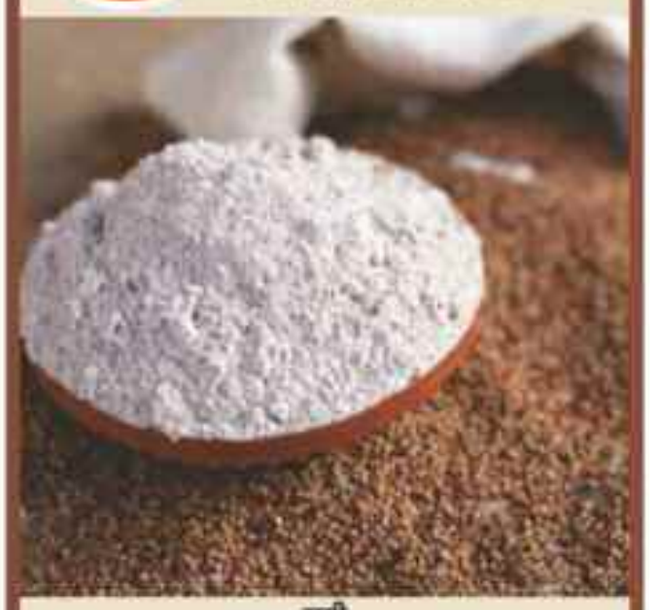

स्थानीय नाम : गहत वानस्पतिक नाम: मैक्रोटिलोमा यूनिफ्लोरम किस्म: VL गहत-1

काला सोयाबीन

काले सोयाबीन या भट की उत्तराखंड में व्यापक रूप से खेती की जाती है। यह प्रोटीन और आयरन का एक समृद्ध स्रोत है। इससे बना एक बहुत लोकप्रिय व्यंजन सूप है, जिसे अन्य दालों जैसे गहत और छोले के साथ उबालकर तैयार किया जाता है, और सूप को चावल के आटे के साथ लोहे की कढ़ाही में पकाया जाता है ताकि लगभग तेल रहित लौह समृद्ध सूप बनाया जा सके।

स्थानीय नाम: भटमास, कालाभट या भट
वानस्पतिक नाम: ग्लाइसिन मैक्स, पोषण घटक: पानी 8.1 ग्राम, प्रोटीन 43.3 ग्राम, वसा 19.25 ग्राम, आयरन 11.5 मिलीग्राम, कैल्शियम 240 मिलीग्राम, कार्बोहाइड्रेट 20.9 ग्राम, फास्फोरस 690 मिलीग्राम, फाइबर 3.7 ग्राम, विटामिन ए और बी

जैविक उत्तराखंड, किसान भवन, द्वितीय मंजिल, रिंग रोड, देहरादून-248001
दूरभाष: +91 135 2662770 | http://www.uocb.org

पौष्टिक अनाज

सूक्ष्म पौष्टिक अनाज प्राचीन समय से उत्तराखंड के प्रमुख अनाज घटक रहे हैं। इन अनाजों की उच्च पौष्टिकता अब दुनिया भर में प्रकाश में आ रही है। सूक्ष्म पौष्टिक अनाज में शुष्क पथरीली भूमि में उगने की जबरदस्त क्षमता होती है और इनमें उच्च मात्रा में पुआल भी होता है, जो स्थानीय पशुधन के लिए फायदेमंद है।

रागी

रागी का प्रयोग आटे के रूप में किया जाता है। आटा गूंथते समय कुछ मात्रा में गेहूं भी मिलाया जाता है और चपाती के रूप में खाया जाता है। इसे आमतौर पर सर्दियों में खाया जाता है। अब इसका उपयोग बेकरी उत्पाद, शिशु आहार और अन्य बेहद डेलिशियस बनाने के लिए किया जा रहा है।
स्थानीय नाम : मंडुआ
वानस्पतिक नाम: एलुसिन कोराकाना
पोषण घटक: पानी 13.1 ग्राम, प्रोटीन 7.3 ग्राम, वसा 1.3 ग्राम, कैल्शियम 344 मिलीग्राम, कार्बोहाइड्रेट 72.0 ग्राम, विटामिन ए, विटामिन बी, कैलोरी 328, आयरन 6.4 मिलीग्राम।

उत्तराखण्ड बांस एवं रेशा विकास परिषद् से बांस एवं हिमालयन नेटल के उत्पाद!

हिमालयन नेटल तथा बांस से बने लैम्पशेड

बांस तथा नेटल अण्डाकार लैम्प्स उत्तराखंड राज्य जो हिमालय पर्वत श्रृंखला के तलहटी पर स्थित है के पारम्परिक हस्तशिल्पियों द्वारा तैयार किये गये हैं। लैम्प्स हिमालयन नेटल के कपड़े से तैयार किये गये हैं जो प्राकृतिक रूप से उत्तराखंड में पाया जाता है। ये लैम्प्स प्रकृति की गर्माहट के साथ रोशनी फैलाने में उत्कृष्ट हैं और किसी भी इनडोर स्थान को सॉफ्ट लुक देते हैं।

बांस की बोतल

हम बांस से पर्यावरण अनुकूल और टिकाऊ जीवन शैली के उत्पादों को तैयार कर रहे हैं। इसी श्रृंखला में बांस के आवरण का उपयोग करते हुए सुन्दर एवं उच्च गुणवत्ता के स्टेनलेस स्टील जो विद्युत रोधित है, को शुभारम्भ किया जा रहा है।

हिमालयन बिच्छू घास से बना इको-टेक्सटाइल

***(Girardiniadiversifolia)* उत्तराखंड हिमालय**

हिमालयन नेटल एक बहुवर्षीय पौधा है जो हिमालय के शीतोष्ण तथा उप उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में समुद्रतल से 1200 से 2900 मीटर पर पाया जाता है। यह चौड़े पत्ते का पौधा अधिकतर उत्तराखंड के जंगलों तथा रिहायसी क्षेत्रों जहां नमी होती है में पाया जाता है। हिमालयन नेटल से तैयार किये जा रहे वस्त्र कोई नया विचार नहीं है। इससे बने वस्त्रों का उपयोग स्थानीय लोग हजारों वर्षों से करते आ रहे हैं। लेकिन हिमालयन नेटल ने अपनी प्रसिद्धि तब से खोई है, जबसे बाजार में सिंथेटिक तथा अन्य रेशा बाजार में आया। हिमालयन नेटल की सम्भावनाओं को देखते हुए उत्तराखण्ड बांस एवं रेशा विकास परिषद् द्वारा पर्यावरण अनुकूल प्राकृतिक रेशा के जरिए पहाड़ी लोगों विशेषतः भोटिया समुदाय के आजीविका में सुधार लाया जा रहा है, जो मुख्यतः हिमालयन नेटल के उत्पादों को तैयार कर रहे हैं। हिमालयन नेटल से तैयार किये गये वस्त्र अपने विशिष्ट गुणों के कारण अन्य रेशों से

60% बिच्छू घास में और 40% तना में कपास रंग: पीच

इसके रेशे गर्म और ठंडे दोनों तरह के तापीय गुणों वाले कपड़े बनाने में उपयोगी हैं।

इन रेशों से रोगाणुरोधी, जीवाणुरोधी और अग्निरोधी कपड़े बनायें जाते हैं।

झुर्रियों को कम करने के लिए प्रतिरोध के रूप में उपयोगी

बिच्छू घास उत्पादों का उपयोग करके, आप गुणवत्ता युक्त उत्पादों को तो अपनाते ही हैं, साथ ही आप एक समग्र मिशन में भी भाग लेकर पर्यावरण का समर्थन करने वाले कारीगर को सशक्त बनाते हैं, जो कि टिकाऊ इको-फैब्रिक्स और पृथ्वी की जैव-विविधता को बढ़ावा देता है। साथ ही ग्रामीण इलाकों के हजारों सीमांत कारीगरों और आदिवासी समुदायों की सहायता भी करते हैं।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:
उत्तराखंड बांस एवं रेशा विकास परिषद्
न्यू फॉरेस्ट कॉलोनी, इंदिरा नगर, देहरादून-248006, उत्तराखंड
फोन और फैक्स: +91 135 3501947,
ईमेल: uabamboo@gmail.com,
वेबसाइट: www.ubfdb.org.in

दून का बेहतरीन रेशम

दून सिल्क उत्तराखंड कोऑपरेटिव सिल्क फेडरेशन (UCRF) का एक ब्रांड है, जो उत्तराखंड की पारंपरिक रेशम बुनाई को पुनर्जीवित करने के लिए एक प्रेरक शक्ति के रूप में काम कर रहा है। दून सिल्क ब्रांड रेशम, ऊन, कपास जैसे प्राकृतिक रेशों का उपयोग करके हथकरघा के माध्यम से उत्पाद बनाने को अत्यधिक महत्व दे रहा है। बिछुआ और भांग, हमारे पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र को कोई नुकसान नहीं पहुंचाते हैं।

दून सिल्क के माध्यम से उत्तराखंड के 6000 से अधिक किसानों, रीलर्स, बुनकरों, कारीगरों और रंगरेजों को रोजगार देने का लक्ष्य है। इन उत्पादों का निर्यात यूरोपीय और अमेरिकी देशों के बाजारों में किया जा रहा है। इन उत्पादों के लिए वहां से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। ये उत्पाद ग्राहकों को 100% शुद्धता की गारंटी देते हैं और साथ ही ये उत्पाद अविश्वसनीय कीमतों पर उपलब्ध हैं। देश के बाजारों में प्रमुख रूप से रेशम की साड़ियाँ, कोट, स्टोल और प्राकृतिक रेशों से बने शॉल की भारी मांग है। साथ ही, विदेशों में भी इन उत्पादों की मांग में तेजी से इजाफा हो रहा है।

हम हिलांस हैं

हिलांस हिमालयी राज्य उत्तराखंड के किसानों की भावना का प्रतिनिधित्व करता है। उत्पादों की शुद्धता ब्रांड को बेहतर बनाने में किसानों की सफलता और सशक्तिकरण का प्रमाण है।

हिमालय के शुद्ध व प्राकृतिक उत्पाद

हमारे किसान हिमालय के शुद्ध व प्राकृतिक उत्पादों को उगाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि उनके ग्राहक दुनिया में कहीं भी प्रामाणिक हिमालयी उत्पादों का आनंद ले सकें। आप हिलांस के विभिन्न प्रकार के अद्भुत उत्पादों को चुनें, जो आपको हिमालय की शुद्धता के करीब ले आते हैं।

HILANS

हिलांस - वेयर हाउस/आउटलेट
216, पंडितवाड़ी, फेज-2 देहरादून | +91 9275212121 | www.hilans.org

सांसद ने पूछा, क्या 'गौमाता' को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा के लोकसभा सदस्य ने संसद में सरकार से सवाल किया कि क्या वह गौमाता (गाय) को राष्ट्रीय पशु घोषित करेगी। अजमेर के सांसद भागीरथ चौधरी द्वारा सोमवार को लोकसभा में पूछे गए इस प्रश्न का केंद्रीय संस्कृति मंत्री ने सीधा जवाब नहीं दिया। सांसद ने पूछा, क्या सरकार संसद में कानून बनाकर भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग गौमाता को राष्ट्रीय पशु के रूप में मान्यता देने पर विचार कर रही है। इसके लिखित जवाब में केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा, इस विषय पर कानून बनाने की शक्ति राज्य सरकार के पास है। पशुओं के संरक्षण में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा किए गए प्रयासों में मदद के लिए पशुपालन और डेयरी विभाग गायों की स्वदेशी नस्लों के विकास और संरक्षण के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन लागू कर रहा है। विभाग ने गाय सहित पशुओं की सुरक्षा के लिए भारतीय पशु कल्याण बोर्ड की भी स्थापना की है। रेड्डी ने कहा कि बाघ को राष्ट्रीय पशु और मोर को राष्ट्रीय पक्षी घोषित किया गया है। केंद्र ने 9 वर्षों में 14.56 लाख करोड़ के कर्ज बट्टे खाते में डाले, कुल ऋण में करीब 50 प्रतिशत रकम उद्योगों की एफआइयू निदेशक वित्त मंत्रालय ने सोमवार को संसद में बताया कि जीएसटी चोरी के किसी मामले का पता चलता है।

सउदी अरब ने 8 और देशों के नागरिकों के लिए ई–वीजा बढ़ाया

रियाद ,एजेंसी। सउदी अरब ने घोषणा की है कि आठ और देशों के नागरिक अब ई–वीजा के लिए पात्र होंगे। यहां के मीडिया ने ये जानकारी दी।

ई–वीजा अल्बानिया, अजरबैजान, जॉर्जिया, किर्गिस्तान, मालदीव, दक्षिण अफ्रीका, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के आगंतुकों के लिए उपलब्ध होगा, जिससे पात्र देशों की कुल संख्या 57 हो जाएगी। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने राज्य मीडिया रिपोर्ट के हवाले से कहा।

विज़िटर ई–वीज़ा पूरे वर्ष के लिए वैध है, और 90 दिनों तक देश में रहने की अनुमति देता है।

2019 में ई–वीज़ा कार्यक्रम शुरू करने के बाद, सउदी अरब में 2022 में 93.5 मिलियन यात्री आए, जो 2021 से 93 प्रतिशत की वृद्धि है।

2022 में, सउदी अरब ने वैध शेंगेन, ब्रिटिश और अमेरिकी वीजा धारकों के लिए एक आगंतुक ई–वीजा प्रदान करने का निर्णय लिया था, जिनका उपयोग सउदी अरब पहुंचने से पहले इन देशों में प्रवेश करने के लिए किया गया था।

इस साल की शुरुआत में, सउदी अरब ने मुफ्त 96 घंटे का स्टॉपओवर वीज़ा शुरू करने की घोषणा की, जिससे यात्रियों को देश में 96 घंटे तक रहने की अनुमति मिल गई।

मुजफ्फरनगर : लापता किसान का शव हिंडन नदी में मिला, ग्रामीणों का धरना–प्रदर्शन

मुजफ्फरनगर , एजेंसी । उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के चरथावल थाना अंतर्गत में लापता एक किसान का शव पुलिस ने हिंडन नदी से बरामद किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक शनिवार से लापता 40 वर्षीय किसान भूपेन्द्र का शव रविवार को चरथावल थाना अंतर्गत के न्यामू गांव के पास हिंडन नदी में मिला। सर्किल ऑफिसर (सीओ) विनय गौतम ने सोमवार को बताया कि चरथावल थाना अंतर्गत गांव कसौली निवासी 40 वर्षीय किसान भूपेन्द्र का शव रविवार को न्यामू गांव के पास हिंडन नदी से बरामद किया गया।

केंद्र ने 9 वर्षों में 14.56 लाख करोड़ के कर्ज बट्टे खाते में डाले

कुल ऋण में करीब 50 प्रतिशत रकम उद्योगों की

नई दिल्ली, एजेंसी: सरकार ने सोमवार को संसद में बताया कि पिछले नौ वित्त वर्ष (2014–15) के दौरान 14.56 लाख करोड़ रुपये के फंसे कर्जों (एनपीए) को बट्टे खातों में डाला गया है। बट्टे खाते में डाले गए कुल कर्ज में से बड़े उद्योगों का ऋण 7,40,968 करोड़ रुपये था। वित्त राज्यमंत्री भागवत कराड ने कहा कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) ने अप्रैल, 2014 से मार्च, 2023 तक कारपोरेट कर्ज सहित बट्टे खाते में डाले गए कर्जों में से कुल 2,04,668 करोड़ रुपये की वसूली की है।

उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2017–18 में बट्टे खाते में डाले गए कर्ज के मुकाबले ऋण वसूली 1.18 लाख करोड़ रुपये रही। हालांकि वित्त वर्ष 2021–22 में यह वसूली घटकर 0.91 लाख करोड़ और वित्त वर्ष 2022–23 में मात्र 0.84 लाख करोड़ रुपये रह गई। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2022–23 में निजी क्षेत्र के बैंकों द्वारा बट्टे खाते में डाला गया कुल कर्ज 73,803 करोड़ रुपये था।

एफआइयू निदेशक वित्त मंत्रालय ने सोमवार को संसद में बताया कि जीएसटी चोरी (संदिग्ध और उच्च मूल्य के नकद लेनदेन सहित) के किसी मामले का पता चलता है तो वित्तीय खुफिया इकाई (एफआइयू) के निदेशक जीएसटी नेटवर्क (जीएसटीएन) को सूचित करेंगे। वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में बताया कि मनी लांड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) का उद्देश्य ना केवल मनी लांड्रिंग रोकना है बल्कि मनी लांड्रिंग से प्राप्त या इसमें शामिल संपत्ति को जब्त करना है।

हालांकि जब उनसे यह पूछा गया कि क्या जीएसटीएन को पीएमएलए के दायरे में लाया गया है। इस पर उन्होंने कहा कि सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। सरकार ने हाल ही में पीएमएलए की धारा 66 के तहत एक अधिसूचना जारी की है, जिसके चलते वित्तीय खुफिया इकाई के निदेश-ाक संदिग्ध लेनदेन जैसे मामलों की जानकारी जीएसटीएन के साझा करेंगे।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्यमंत्री रामेश्वर तेली ने सोमवार को संसद में बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने फरवरी, 2023 से ई20 पेट्रोल की बिक्री शुरू की थी और वर्तमान में 1,900 से अधिक पेट्रोल पंप से इसे बेचा जा रहा है। ई20 ईंधन 20 प्रतिशत एथनाल और जीवाश्म आधारित ईंधन का मिश्रण है। उन्होंने बताया कि सरकार ने ई20 ईंधन के लक्ष्य को 2030 से घटाकर 2025 कर दिया है। अनुमान लगाया गया है कि 2025 तक ई20 ईंधन के उपयोग से 200 लाख टन से अधिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आएगी।

वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को संसद में बताया कि कर संबंधी जीएसटी अधिकारियों के फैसले के खिलाफ जून, 2023 तक 14,227 अपीलें लंबित थीं। मार्च 2023 तक लंबित अपीलों की संख्या 11,899 थी। वर्तमान में कर अधिकारियों के फैसले से असंतुष्ट करदाताओं को संबंधित हाईकोर्ट में जाना होता है। इससे समाधान प्रक्रिया में अधिक समय लगता है, क्योंकि ना केवल हाईकोर्ट पहले से ही लंबित मामलों के बोझ से दबे हैं बल्कि उनके पास जीएसटी मामलों से निपटने के लिए कोई विशेष पीठ भी नहीं है। राज्यों में जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण पीठ की स्थापना से विवाद के त्वरित समाधान में मदद मिलेगी।

वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि 31 मार्च, 2014 को केंद्र सरकार का कर्ज 58.6 लाख करोड़ (जीडीपी का 52.2 प्रतिशत) रुपए था, जो 31 मार्च, 2023 को बढ़कर 155.6 लाख करोड़ रुपए (जीडीपी का 57.1 प्रतिशत) हो गया। वित्त वर्ष 2019–20 के अंत में केंद्र सरकार का कर्ज 105.1 लाख करोड़ रुपये (जीडीपी का 52.4 प्रतिशत) था, जो वित्त वर्ष 2020–21 के अंत में बढ़कर 121.9 लाख करोड़ रुपये (जीडीपी का 61.5 प्रतिशत) हो गया।एक ही वर्ष में केंद्र सरकार के कर्ज में लगभग नौ प्रतिशत की बढ़ोतरी की प्रमुख वजह कोरोना महामारी थी। हालांकि वित्त वर्ष 2022–23 के अंत में केंद्र सरकार का कर्ज घटकर सकल घरेलू उत्पाद का 57.1 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि इस बात पर ध्यान देने की जरूरत है कि भारत की नामिनल जीडीपी 2013–14 में 112.34 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2022–23 में 272.41 लाख करोड़ रुपये हो गई है।

सिंगापुर में भारतीय मूल की महिला पर नस्लीय टिप्पणी करने पर आरोपी को जेल

सिंगापुर ,एजेंसी। सिंगापुर में 32 वर्षीय व्यक्ति को 2021 में एक भारतीय मूल की महिला पर नस्लीय टिप्पणी करने और उसे लात मारने के आरोप में तीन महीने की जेल की सजा सुनाई गई है और मुआवजे के रूप में 13.20 सिंगापुर डॉलर का भुगतान करने का आदेश दिया गया है।

सोमवार को सजा सुनाते हुए, जिला न्यायाधीश शैफुद्दीन सरुवान ने जोर देकर कहा कि नस्लीय और धार्मिक शत्रुता के समाज में गंभीर परिणाम हो सकते हैं। वोंग जिंग फोंग को जून में 57 वर्षीय प्राइवेट ट्यूटर हिंडोचा नीता विष्णुभाई को नस्लीय रूप से निशाना बनाने के लिए दोषी ठहराया गया। मई 2021 में चोआ चू कांग में नॉर्थवेल कॉन्डोमिनियम के पास पीड़िता काम करने के लिए जा रही थी, इस दौरान आरोपी ने उसके साथ अपमानजनक व्यवहार किया। न्यायाधीश सरुवान ने कहा कि वोंग को अपने किये पर कोई पश्चाताप नहीं है। उन्होंने कहा कि इस मामले में सजा जरुरी है। अभियोजन पक्ष ने यह तर्क देते हुए छह और नौ महीने की जेल की मांग की थी कि घटना को साधारण हमले के मामले के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। नीता ने इस साल जून में अदालत को बताया था कि वह अपना मास्क नीचे करके चल रही थी, जिसपर वोंग उस पर चिल्लाया। पीड़िता ने बताया कि वह आमतौर पर तेज कदमों से चलती है, क्योंकि उनके पास किसी प्रकार के एक्सरसाइज करने का समय नहीं होता है। ऐसे में सांस लेने के लिए उसने अपना मास्क थोड़ा नीचे कर लिया था।अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि उस समय, एक्सरसाइज के दौरान मास्क हटाने की अनुमति थी, लेकिन एक्सरसाइज के बाद उन्हें मास्क वापस पहनना पड़ता था।मास्क को नीचे देख वोंग नीता पर चिल्लाया और उसका अपमान किया।लड़ाई आगे न बढ़े, इसके लिए पीड़िता ने वोंग द्वारा किए जा रहे अपमानों का जवाब देते हुए कहा, भगवान आपका भला करें, लेकिन वोंग का गुस्सा शांत नहीं हुआ और उसने उसकी छाती पर लात मारी।

नूंह हिंसा : होटल व शोरूम में चला सरकार का बुलडोजर

नई दिल्ली , एजेंसी । नूंह में हिंसा के बाद मनोहर लाल सरकार का बुलडोजर एक्शन जारी है। हिंसा प्रभावित नूंह में प्रशासन ने एक होटल समेत कई अवैध संरचनाओं पर बुलडोजर चलाया।

नूंह में नलहर रोड चौक के पास 3 मंजिला सहारा होटल, एक रेस्टोरेंट और टाइल्स के एक शोरूम पर बुलडोजर चला दिया गया। एस.डी.एम. अश्वनी कुमार ने बताया कि ये निर्माण अवैध थे और हिंसा के दौरान उपद्रवियों ने इनका इस्तेमाल पत्थर फैंकने के लिए किया था। पुलिस ने बताया कि सी.सी.टी.वी. फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि लोगों ने सहारा होटल की छत से पत्थर फैंके और फायरिंग की।

उन्होंने बताया कि होटल मालिक को सब कुछ पता था, लेकिन इसके बाद भी उसने अपराधियों को पत्थर इका करने से नहीं रोका। 4 बुलडोजर से होटल को 4 घंटे में ढहा दिया गया। नूंह के उपायुक्त धीरेंद्र खडग़टा ने कहा कि जिले में अवैध निर्माण और असामाजिक गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।हरियाणा के मेवात–नूंह में 31 जुलाई को बृजमंडल यात्रा निकाली गई थी।

दिल्ली के पूर्ण राज्य के विरोध में थे तीन कांग्रेसी पीएम, वाजपेयी के समर्थन के बाद अब विरोध में है बीजेपी

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली क्षेत्र सरकार संशोधन विधेयक–2023 पर चर्चा के दौरान कई खुलासे हुए। कांग्रेस पार्टी के सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, भाजपा के पूर्व पीएम दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी और तत्कालीन गृह मंत्री एलके आडवाणी, दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के पक्ष में थे। अब मोदी सरकार, इसका विरोध कर रही है। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू इसके खिलाफ थे। सरदार पटेल भी इसके समर्थन में नहीं थे। डॉ. बीआर अंबेडकर का कहना था कि भारत की राजधानी पर दिल्ली राज्य का अधिकार नहीं हो सकता है।

दिल्ली को लेकर केंद्र सरकार ही कानून पास करेगी। इसमें राज्य का कोई दखल नहीं होगा। पीएम लाल बहादुर शास्त्री ने भी दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का समर्थन नहीं किया। प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव भी दिल्ली के संवैधानिक ढांचे के साथ छेड़छ-ाड़ के पक्ष में नहीं थे। आप सांसद संजय सिंह के मुताबिक, भाजपा नेता और दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा ने विधानसभा में बयान दिया था, दिल्ली का मुख्यमंत्री होने से बेहतर है, खेत में फावड़ा चलाना। दिल्ली के पूर्व सीएम मदन लाल भी दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाना चाहते थे। अब मोदी सरकार, इस प्रस्ताव का विरोध कर रही है, जबकि वाजपेयी और आडवाणी चाहते थे कि दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा हासिल हो।

दिल्ली में चार मुख्यमंत्रियों के साथ काम कर चुके पूर्व विधानसभा सचिव एवं संविधान विशेषज्ञ एसके शर्मा के अनुसार, डॉ. बीआर अंबेडकर ने बाकायदा संविधान में ही ऐसी व्यवस्था कर दी थी कि भारत की राजधानी में कोई भी कानून भारत की संसद ही बनाएगी। दिल्ली को लेकर कानून बनाने का अधिकार, केंद्र के पास है। दिल्ली में जितने कानून बने हैं, वे सब कानून संसद ने बनाए हैं। 1947 में जब स्वतंत्र भारत के लिए संविधान का निर्माण हो रहा था, तो उस वक्त दिल्ली को भी पूर्ण राज्य का दर्जा देने की बात सामने आई थी। संविधान सभा ने इस मामले में पट्टाभि सीतारमैया की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की थी। कमेटी की रिपोर्ट में दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देने पर सहमति बनी। यह रिपोर्ट जब डॉ. राजेंद्र प्रसाद के जरिए डॉ. अंबेडकर तक पहुंची, तो उन्होंने इसे खारिज कर दिया। डॉ. अंबेडकर का कहना था कि भारत की राजधानी पर दिल्ली राज्य का अधिकार नहीं हो सकता है। दिल्ली को लेकर केंद्र सरकार ही कानून पास करेगी। इसमें राज्य का कोई दखल नहीं होगा। 1987 में दिल्ली को पूर्ण राज्य बनाने के लिए बालाकृष्णन कमेटी बनी। कमेटी ने कहा, कानून व्यवस्था में कोई बदलाव दिल्ली के हित में नहीं है।

जब अटल बिहारी वाजपेयी, प्रधानमंत्री थे तो उनकी सरकार में लाल कृष्ण आडवाणी, दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए बिल लाए थे। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह के मुताबिक, दिल्ली में 1993 से 1998 तक भाजपा की सरकार रही थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा ने विधानसभा में बयान दिया था, दिल्ली का मुख्यमंत्री होने से बेहतर है, खेत में फावड़ा चलाना। ऐसा नहीं है कि वे अकेले ऐसे सीएम थे, जिन्होंने इस तरह की मांग रखी। दिल्ली के पूर्व सीएम मदनलाल खुराना भी इस प्रस्ताव के पक्ष में थे। साल 1998, 2005, 2008 और 2013 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में पूर्ण राज्य का अधिकार दिलाने का वादा किया था। उसके बाद भाजपा को दिल्ली की सत्ता में आने का मौका नहीं मिला। अब केंद्र में भाजपा सरकार है। वह दिल्ली सरकार को लेकर अध्यादेश ले आई। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार की शक्तियां बहाल कीं, तो मोदी सरकार उसके खिलाफ अध्यादेश ले आई।

आप सांसद राघव चड्ढा ने कहा, 1989 के भाजपा के घोषणा पत्र में पूर्ण राज्य का दर्जा देने का जिक्र किया गया था। 1999 में भी वही हुआ। लाल कृष्ण आडवाणी, संसद में दिल्ली को अधिकार देने के लिए बिल लाए थे। आज मोदी सरकार ने यह अध्यादेश लाकर अटल बिहारी वाजपेयी और लाल कृष्ण आडवाणी की दिल्ली को पूर्ण राज्य बनाने की 40 साल की मेहनत मिट्टी में मिला दी। चड्ढा ने कहा, जवाहर लाल नेहरू ने कहा था कि दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिलना चाहिए। मैं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से कहना चाहूंगा कि आप नेहरूवादी मत बनिए, आडवाणीवादी और वाजपेयीवादी बनिए। आपके पास दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का एतिहासिक मौका है, ये काम करिए। राघव ने कहा, भाजपा, 25 साल से दिल्ली में चुनाव हार रही है। अरविंद केजरीवाल के रहते, ये लोग (भाजपा) अगले 25 साल भी नहीं जीत पाएंगे। इसी वजह से भाजपा, दिल्ली की चुनी हुई सरकार को खत्म करने के लिए यह बिल लाई है। भाजपा, सारी शक्तियां, उपराज्यपाल को दे रही है। उन्होंने कौन सा चुनाव लड़ा है। क्या जनता ने उन्हें चुनकर भेजा है।

अब कमजोर पड़ रहा मानसून! इन राज्यों में नहीं होगी बारिश, आईएमडी ने बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली , एजेंसी । जुलाई में भारत के अधिकांश राज्यों में रंग दिखा चुका मॉनसून अब कुछ शांत होने जा रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग यानी ढ्रूरूछ ने ऐसे संकेत दिए है कि दक्षिण पश्चिम मॉनसून कमजोर चरण में जा चुका है। हालांकि, आने वाले 4–5 दिनों में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, उप हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पूर्वोत्तर में भारी बारिश होने की संभावनाएं हैं।

मौसम विभाग के महानिदेश-ाक ने कहा कि हिमालय की तलहटी और पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश होगी। हम बारिश की कमी का सामना कर रहे बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों जैसे राज्यों में बारिश की उम्मीद कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि मॉनसून की कमजोर स्थिति कम से कम 20 अगस्त तक बनी रहेगी। उन्होंने इसे अल नीनो का असर बताया है। असम में बाढ़ की आशंका है, क्योंकि नेपाल में भारी बारिश हो रही है। बिहार में भी बाढ़ आ सकती है।6 अगस्त तक देश में 3 फीसदी ज्यादा बारिश हुई। इस दौरान पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में 23 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई।

गुजरात में साथ चुनाव लड़ेंगे आम आदमी पार्टी और कांग्रेस: गढ़वी

अहमदाबाद, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) की गुजरात इकाई के प्रमुख इसुदन गढ़वी ने सोमवार को यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि आप और कांग्रेस गुजरात में आगामी लोकसभा चुनाव सीट बंटवारे के फार्मूले के तहत लड़ेंगी, क्योंकि दोनों पार्टियां विपक्षी भारत गठबंधन की सदस्य हैं। गढ़वी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस ने कहा कि पार्टी केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशों का पालन करेगी।

वहीं, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा कि आप और कांग्रेस के बीच संभावित गठबंधन से सत्तारूढ़ पार्टी की चुनावी संभावनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा और उसने आप को कांग्रेस की 'बी टीम' करार दिया। गढ़वी ने कहा, 'आप और कांग्रेस दोनों 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा हैं। यह चुनावी गठबंधन गुजरात में भी लागू किया जाएगा। हालांकि ,गठबंधन की बातचीत अभी प्राथमिक स्तर पर है, लेकिन यह निश्चित है कि आप और कांग्रेस दोनों गुजरात में सीट–बंटवारे के फॉर्मूले के तहत आगामी लोकसभा चुनाव लड़ेंगे।'

गढ़वी ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'अगर सब कुछ योजना के मुताबिक हुआ तो मैं गारंटी देता हूं कि भाजपा इस बार गुजरात में सभी 26 सीटें नहीं जीत पाएगी।' उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए 'इंडिया' गठबंधन में शामिल हुई है। गढ़वी ने कहा, 'आप की गुजरात इकाई ने उन सीटों के बारे में शोध (रिसर्च) करना शुरू कर दिया है जिन पर पार्टी उम्मीदवार उतार सकती है।'

गुजरात आप प्रमुख की अचानक घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस ने कहा कि अंतिम फैसला केंद्रीय नेतृत्व करेगा। गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता मनीष दोशी ने मीडियाकर्मियों से कहा, 'मुझे अभी उनकी घोषणा के बारे में पता चला है। अन्य दलों के साथ सीटों के बंटवारे के समझौतों को केंद्रीय नेतृत्व द्वारा अंतिम रूप दिया जाता है। चुनाव पूर्व गठबंधन तय करना उनका विशेषाधिकार है। केंद्रीय नेतृत्व द्वारा उठाए जाने पर राज्य नेतृत्व इस मुद्दे पर चर्चा करेगा। गुजरात कांग्रेस इस संबंध में हमारे राष्ट्रीय नेताओं के निर्देशों का पालन करेगी।'

भाजपा ने गढ़वी की घोषणा को तवज्जो नहीं दी है। उन्होंने कहा, 'हम पिछले दो बार से गुजरात की सभी 26 लोकसभा सीटें जीतते आ रहे हैं। इस बार हमारा लक्ष्य सभी सीटों पर पांच लाख वोटों के अंतर से जीत हासिल करना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ऐसे किसी गठबंधन से डरती नहीं है। हमें चुनाव जीतने का भरोसा है।' गुजरात भाजपा के प्रवक्ता ऋत्विज पटेल ने कहा, 'इस घोषणा के साथ ही अब यह बात सामने आ गई है कि 'आप' कांग्रेस की बी टीम है।

गौरतलब है कि 2022 के गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और आप ने एक–दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ा था। कांग्रेस ने 182 सदस्यीय विधानसभा में 17 सीटें जीती हैं जबकि आम आदमी पार्टी पांच सीटें जीतने में सफल रही है।

इंदौर में डेढ़ साल के मासूम की सांस नली में अटकी चाय

इंदौर, एजेंसी। क्या चाय की वजह से किसी की जान जा सकती है? हां, इंदौर में ऐसा हुआ है। डेढ़ साल के मासूम की जान चाय की वजह से हो गई। चाय उसकी सांस नली में अटक गई थी। सांस लेने में दिक्कत की शिकायत के साथ परिजन मासूम को लेकर अस्पताल पहुंचे। डॉक्टरों ने उपचार शुरू किया ही था कि कुछ मिनटों में मासूम की जान चली गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

घटना इंदौर के सिमरोल के पास बाईग्राम की है। डेढ़ साल के राज पिता राजेश प्रजापति को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। उसके मामा उसे महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (एमवायएच) ले गे। वहां डॉक्टरों ने कुछ जांच के बाद इलाज शुरू किया लेकिन कुछ ही देर बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चा अपनी मां के साथ सिमरोल में अपने नाना–नानी के यहां रहता था।

इलाज शुरू करने के कुछ ही मिनट बाद हो गई मौत

सिमरोल पुलिस का कहना है कि राज की सांस नली में चाय अटक गई थी। उपचार शुरू होने के कुछ ही देर में राज की मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि लता ने अपने बेटे और बेटी के लिए चाय बनाई थी। सुबह राज ने चाय पी तो उसे खांसी आई। इसके बाद उसकी सांस बंद हो गई। उसे घबराहट हुई। मां ने उसकी छाती की मॉलिश की। फिर सिमरोल के अस्पताल पहुंचे। डॉक्टरों ने मासूम को इंदौर ले जाने को कहा। तब उसके परिजन बच्चे को एमवाय अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने उपचार के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

राज के पिता राजेश प्रतापति देवास के करनावत गांव में रहते हैं। दो माह पहले राजेश के खिलाफ उसकी पत्नी ने मारपीट की शिकायत की थी। पुलिस ने राजेश को गिरफ्तार किया। कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया। इसके बाद राज को लेकर उसकी मां मायके आ गई थी। ससुराल वाले किसी तरह का आरोप न लगाए, इसलिए मासूम का पोस्टमॉर्टम भी कराया। इसके लिए मासूम के शव को फिर पुलिस ने गांव से अस्पताल भेजा।

वंदे भारत एक्सप्रेस पर फिर हुआ पथराव, कोच के शीशे टूटे, सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

नई दिल्ली , एजेंसी । वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव की घटनाएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। एक बार फिर ट्रेन पर पत्थरबाजी हुई है। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में कुछ अज्ञात लोगों ने वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पत्थर बरसाए, जिससे कोच का शीशे टूट गए। उधर, आरपीएफ ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ट्रेन में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के माध्यम से अराजक तत्वों की तलाश की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, यह घटना तब हुई जब वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन गोरखपुर से लखनऊ की ओर से जा रही थी। करीब 10 बजे बाराबंकी के सफेदाबाद रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन पर पत्थर फेंगे गए, जिससे उसके एक कोच का शीशे टूट गए।

इमरान खान को अटक जेल की सी कैटेगरी बैरक में रखा गया, पंखे के सहारे काट रहे दिन

नई दिल्ली ,एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पंजाब प्रांत की अटक जेल में इस वक्त बंद हैं। तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा सुनाए जाने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

डूरंड कप : राजनाथ सिंह ने खेल और समाज में नियम बनाए रखने पर दिया जोर

गुवाहाटी , रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने असम के कोकराझार में डूरंड कप के 132वें संस्करण का उद्घाटन करते हुए इसकी तुलना फुटबॉल खेल से करते हुए समाज के भीतर नियमों और विनियमों को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर अपनी टिप्पणी में उन्होंने कहा, च्फुटबॉल में नियम और कानून बहुत महत्वपूर्ण हैं। फुटबॉल में ऑफसाइड नियम के बारे में आप सभी को पता होना चाहिए। अगर कोई खिलाड़ी ऑफसाइड जाकर भी गोल करता है, तो उसे गोल नहीं माना जाता है। यानी जैसे ही आप नियमों के विरुद्ध जाते हैं तो आपका कोई भी प्रयास सफल भी हो जाए तो उसका कोई मतलब नहीं रह जाता।ज् उन्होंने कहा, च्चाहे खेल हो, समाज हो या देश, नियम बहुत महत्वपूर्ण हैं और उन्हें बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।ज् च्एक सच्चा खिलाड़ी और सच्चा नागरिक वही है जो खेल और समाज के सभी नियमों के अनुसार अपना कर्तव्य निभाता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि फुटबॉल एक ऐसा खेल है जो लोगों को जोड़ता है और यह शांति का खेल है। ब्राजील के फुटबॉल दिग्गज पेले का एक उदाहरण याद करते हुए उन्होंने कहा, च्ध्1970 के दशक में नाइजीरिया में गृह युद्ध छिड़ गया था। उस युद्ध में हजारों लोगों की जान चली गई थी और माहौल बेहद तनावपूर्ण था। पुलिस या नेताओं की ओर से कोई अपील नहीं की गई। स्थिति को शांत करने में सफल रहे, लेकिन जब पेले एक दोस्ताना मैच खेलने के लिए वहां पहुंचे, तो कहा जाता है कि 48 घंटों तक पूरे देश में कोई घटना नहीं हुई। साई स्टेडियम में उत्साही भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने कोकराझार में सकारात्मक माहौल बनाने के लिए सशस्त्र बलों और बोडोलैंड क्षेत्रीय परिषद (बीटीसी) के प्रयासों की सराहना की, जिसके परिणामस्वरूप शहर में पहली बार यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने फुटबॉल के प्रति उत्साह और प्रेम के लिए पूर्वोत्तर के लोगों की सराहना की और 'सुंदर खेल' को सिर्फ एक खेल नहीं बल्कि एक भावना बताया। यह कहते हुए कि असम ने हाल के दिनों में कई फुटबॉल प्रतिभाएं पैदा की हैं, राजनाथ सिंह ने विश्वास जताया कि डूरंड कप युवाओं को नए जोश के साथ खेल में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करेगा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने भी क्षेत्र की समृद्ध खेल संस्कृति के बारे में बात की और सभी भाग लेने वाली टीमों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कोकराझार में टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए भारतीय सेना को धन्यवाद दिया और सहायता के लिए बीटीसी के प्रयासों की सराहना की। उद्घाटन समारोह में राज्य और क्षेत्र भर से लगभग 12,000 फुटबॉल प्रशंसक शामिल हुए। समारोह के मुख्य आकर्षणों में सुखोई–30 एमकेआई विमान और एमआई–17 हेलीकॉप्टरों द्वारा फ्लाईपास्ट, मार्शल प्रदर्शन, गतका और भांगड़ा और स्थानीय मंडली द्वारा बोडो सांस्कृतिक नृत्य का प्रदर्शन शामिल था।

क्रिकेट प्रेमियों का इंतजार खत्म, 7 साल बाद भारत आएगी पाक क्रिकेट टीम

इस्लामाबाद ,भारत–पाकिस्तान क्रिकेट मैच का रोमांच पूरी दुनिया में छाया रहता है। अब ये रोमांच भारत की धरती पर दोनों देशों के बीच होने वाले मैच में देखने को मिलेगा। पाकिस्तान सरकार ने अपनी टीम को भारत भेजने की इजाजत दे दी है। इसके साथ ही 7 साल के इंतजार के बाद पाकिस्तानी टीम फिर भारत आएगी। इससे पहले 2016 के टी20 वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान ने भारत का दौरा किया था। भारत और पाकिस्तान के बीच वनडे वर्ल्ड कप में 14 अक्टूबर को टक्कर हो सकती है। ये मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने रविवार 6 अगस्त को एक बयान जारी कर टीम को भारत भेजने के फैसले का ऐलान किया। आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 का आगाज 5 अक्टूबर से होने जा रहा है, जो 19 नवंबर तक चलेगा। वर्ल्ड कप का मेजबान भारत है। पाकिस्तान टीम के इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने पर असमंजस की स्थिति थी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा था कि वर्ल्ड कप में हमारी टीम खेलेगी या नहीं इसका निर्णय सरकार करेगी।

मिथुन मंजुनाथ बने नीलामी के सबसे महंगे खिलाड़ी

बेंगलुरु ,बेंगलुरु के शटलर मिथुन मंजुनाथ, जिन्होंने कुछ दिन पहले ऑस्ट्रेलियन ओपन में सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लोह किन यू को हराया था, जीपीबीएल सीजन 2 में नीलामी के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं। 25 वर्षीय को बीती देर शाम आयोजित नीलामी में चेन्नई सुपरस्टार्स ने 14.5 लाख की भारी कीमत पर हासिल किया था। मिथुन जिनका बेस प्राइस 8 लाख रुपये था, उनके लिए बेंगलुरु टाइगर्स और चेन्नई सुपरस्टार्स के बीच कड़ी टक्कर हुई। जीपीबीएल का बहुप्रतीक्षित सीजन 27 अगस्त से 9 सितंबर तक बेंगलुरु में आयोजित किया जाएगा। टीमों को दो से अधिक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को चुनने का विकल्प दिए जाने के बाद कुल मिलाकर 15 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का चयन किया गया।शिन बेक–चिओल सीजन के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी रहे, जिन्हें 14 लाख की बड़ी कीमत मिली। भारत के बीडब्ल्यूए विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता बी साई प्रणीत को नॉर्थईस्ट राइनोज़ ने 10 लाख रुपये में खरीदा। पांचवीं सबसे ऊंची खरीदारी यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा की थी, जिन्हें मुंबई वॉल्व्स ने 9 लाख रुपये में खरीदा।ड्राफ्ट में आगामी सीजन में आठ फ्रेंचाइजियों का प्रतिनिधित्व करने के लिए 150 के रोस्टर में से 80 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को चुना गया। नीलामी के लिए कुल 500 से अधिक खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया था। आठ टीमों में से प्रत्येक – बेंगलुरु टाइगर्स, हैदराबाद हाउंड्स, चेन्नई सुपरस्टार्स, गुजरात लायंस, केरल टस्कर्स, मुंबई वॉल्व्स, पुणे पैंथर्स और नॉर्थईस्ट राइनोज़ – के पास अपनी ड्रीम टीम तैयार करने के लिए 35 लाख रुपये खिलाड़ी पर्स था। प्रत्येक टीम में एक आइकन खिलाड़ी, न्यूनतम दो टियर–1 खिलाड़ी, न्यूनतम दो टियर–2 खिलाड़ी और न्यूनतम दो महिला खिलाड़ी होती हैं, जिसमें दो से अधिक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को चुनने का विकल्प नहीं होता है।

जीपीबीएल के आयुक्त प्रशांत रेड्डी ने कहा, च्हमने प्रति टीम अधिकतम दो अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का नियम अपनाया क्योंकि हम जीपीबीएल का हिस्सा बनने के लिए अधिक से अधिक मौका भारतीय खिलाड़ियों को देना चाहते थे।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में प्रणय

सिडनी ,अनुभवी भारतीय शटलर एचएस प्रणय ने अपने युवा हमवतन प्रियांशु राजावत को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन 2023 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में कदम रख लिया। विश्व रैंकिंग में नौवे स्थान पर काबिज़ प्रणय ने 43 मिनट चले सेमीफाइनल में 31वीं रैंकिंग वाले प्रियांशु को 21–18, 21–12 से मात दी। प्रियांशु के खिलाफ दो मुकाबलों में यह प्रणय की दूसरी जीत है। इस साल अपने दूसरे फाइनल में प्रणय चीन के वेंग होंग यांग का सामना करेंगे जो सेमीफाइनल में मलेशिया के ली ज़ी जिया को हराकर आ रहे हैं। पहले गेम में दोनों भारतीयों ने एक–दूसरे को कड़ी टक्कर दी, हालांकि छठी वरीयता प्राप्त प्रणय ब्रेक तक 11–8 से आगे रहे। प्रियांशु ने अपनी प्रतिस्पर्धी ऊर्जा के साथ गेम को 18–18 पर बराबर किया लेकिन प्रणय ने अगले तीन पॉइंट स्कोर कर मैच में 1–0 की बढ़त ले ली। दूसरे गेम में प्रणय ने तेज़ी के साथ 7–3 की बढ़त ली और अपने जुझारू प्रदर्शन के बावजूद प्रियांशु बाकी के गेम में आगे नहीं निकल सके। प्रणय 11–7 की बढ़त के साथ ब्रेक में गये और गेम के दूसरे हिस्से में प्रियांशु पर अपना वर्चस्व कायम करते हुए 43 मिनट में मैच जीत लिया। इस साल मलेशिया मास्टर्स के रूप में अपना पहला बीबीडब्ल्यूएफ खिताब जीतने वाले प्रणय ने फाइनल में पहुंचने पर कहा, च्सच कहूं तो यह बहुत सैटिस्फाइंग है। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ 10 के खिलाफ खेलना हमेशा मुश्किल होता है। मेरे लिये पिछले दो साल बहुत अच्छे रहे हैं और मैं नियमित रूप से मुकाबले जीतने में सक्षम रहा हूं। उम्मीद है कि मैंने जो मलेशिया में किया था उस जैसा कुछ कर सकूंगा।ज्

लगातार दूसरा टी20 गंवाकर निराश दिखे हार्दिक पांड्या

जॉर्जटाउन ,वेस्टइंडीज के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में लगातार दूसरी हार के बाद भारतीय कप्तान हार्दिक पांड्या अपनी टीम के बल्लेबाजों से काफी निराश दिखाई दिए।

वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार दूसरे टी20 मैच में भी भारतीय टीम की बैटिंग फ्लॉप रही। भारतीय गेंदबाजों ने काफी हद तक मैच पर काबू पा लिया था लेकिन वो टीम को जीत नहीं दिला पाए और वेस्टइंडीज ने 2 विकेट से शानदार जीत दर्ज की।

टीम की फ्लॉप बल्लेबाजी के बाद भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही टीम को मैच में बनाए रखा। खासतौर पर 16वें और 17वें ओवर में दो रन देकर भारत ने चार विकेट लेकर मेजबान टीम को बैकफुटपर धकेल दिया, लेकिन एक छोटा टोटल डिफेंड कर रही भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा।

विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप : अदिति स्वामी, ओजस देवताले ने कंपाउंड विश्व चैंपियन का खिताब जीता

बर्लिन , भारत की अदिति गोपीचंद स्वामी और ओजस प्रवीण देवताले ने विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप 2023 में क्रमशः महिला और पुरुष व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते।

भारत ने बर्लिन तीरंदाजी प्रतियोगिता को चार पदकों तीन स्वर्ण और एक कांस्य के साथ समाप्त किया। सभी पदक कंपाउंड तीरंदाजों ने जीते। छठी वरीयता प्राप्त 17 वर्षीय अदिति ने फाइनल में मैक्सिको की एंड्रिया बेसेरा को 149–147 से हराया और सीनियर विश्व चैंपियनशिप में व्यक्तिगत स्पर्धा जीतने वाली सबसे कम उम्र की तीरंदाज बन गईं।

यू18 विश्व चैंपियन और विश्व रिकॉर्ड धारक अदिति ने सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त साथी भारतीय ज्योति सुरेखा वेन्नम को 149–145 से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। इस बीच, ज्योति सुरेखा वेन्नम ने महिलाओं की व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा में तुर्की की इपेक तोमरुक को 150–146 से हराकर कांस्य पदक जीता। एक अन्य भारतीय तीरंदाज परनीत कौर चर्टर फाइनल में ज्योति सुरेखा वेन्नम से हारकर बाहर हो गईं। बाद में दिन में भारत के ओजस प्रवीण देवतले पुरुषों की व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा में विजयी हुए। ओजस ने कड़े मुकाबले में पोलैंड के लुकाज़ प्रिज़ीबिल्स्की को 150–149 से हराया और विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष तीरंदाज बन गए। 21 वर्षीय ओजस ने इससे पहले क्रमशः सेमीफाइनल और चर्टर में पूर्व विश्व चैंपियन, डच तीरंदाज माइक श्लोसेर और पोलैंड के प्रेज़ेमिस्लाव कोनेकी को हराया था। बर्लिन में विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप 2023 में भारत का अभियान, जो तीरंदाजों के लिए पहला पेरिस 2024 ओलंपिक चलीफायर इवेंट है, शनिवार को समाप्त हो गया। किसी भी भारतीय रिकर्व तीरंदाज ने पदक दौर में जगह नहीं बनाई, जिससे बर्लिन में प्रस्तावित पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए कोई भी ओलंपिक कोटा स्थान जीतने में असफल रहा।

फिल्मी दुनियां

फिल्म ड्रीम गर्ल 2 का ट्रेलर रिलीज, आयुष्मान खुराना ने पूजा बनकर फिर जीता दिल

इस साल कई ऐसी फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जिनका इंतजार दर्शक बड़ी बेसब्री से कर रहे हैं। आयुष्मान खुराना की ड्रीम गर्ल 2 इसी फेहरिस्त में शुमार है।ड्रीम गर्ल ने दर्शकों को खूब लोटपोट किया था। इस वजह से भी इसके सीक्वल को लेकर दर्शक उत्साहित हैं।फिल्म के पोस्टर और टीजर में आयुष्मान के अवतार ने ट्रेलर को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी थी। अब आखिरकार ट्रेलर दर्शकों के बीच आ गया है।

पल्लू लहराते हुए पूजा के गेटअप में आयुष्मान की नजाकतें और अदाएं देखते ही बनती हैं। दूसरी तरफ अनन्या पांडे के साथ उनकी केमिस्ट्री भी अच्छी लग रही है। आयुष्मान के हाव–भाव, आवाज और कॉमेडी कमाल की है। लड़की की आवाज में वह एक बार फिर सबको अपना दीवाना बना रहे हैं।ट्रेलर देख इतना तो साफ है कि फिल्म मजेदार होने वाली है। हंसी, रोमांस और एक रोमांचक कहानी का बढ़िया मेल इसमें देखने को मिल रहा है।

पहले फिल्म 29 जून, 2023 को रिलीज होने वाली थी। फिर खबर आई कि यह 7 जुलाई को रिलीज होगी। इसके बाद 25 जुलाई की तारीख सामने आई। अब ड्रीम गर्ल 2 25 अगस्त को सिनेमाघरों में आ रही है।एकता कपूर इस फिल्म की निर्माता हैं, वहीं इसके निर्देशन की कमान राज शांडिल्य ने संभाली है। फिल्म में आयुष्मान के साथ अनन्या मुख्य भूमिका निभा रही हैं। दोनों की साथ में यह पहली फिल्म है।

ड्रीम गर्ल आयुष्मान के करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक है। 2019 में आई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था।यह फिल्म दर्शकों के साथ समीक्षकों को भी खूब पसंद आई थी।

देसी अंदाज में माहिरा शर्मा ने फैंस के दिलों को यूं किया घायल

टीवी इंडस्ट्री में अपनी एक्टिंग का लोहा मनाने वाली माहिरा शर्मा, पंजाबी इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेसेस में से एक हैं। माहिरा ने बिग बॉस के घर में खूब सुर्खियां बटोरी थी। शो में एक्ट्रेस का नाम पारस छाबड़ा संग भी जुड़ा था। पारस छाबड़ा से ब्रेकअप के बाद से ही माहिरा अपने कातिलाना अंदाज और अपने बोल्ड लुक्स से फैंस को दीवाना बनाए हुए हैं। माहिरा ने हाल में अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की है, जिनमें उनका देसी लुक देखने के बाद फैंस अपना होश खो बैठे हैं। माहिरा शर्मा ने हाल ही में अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिनमें वो काफी खूबसूरत और ग्लैमरस लग रही हैं। माहिरा शर्मा के देसी लुक और किलर अदाओं को देखन के बाद उनके फैंस के होश तक उड़ गए और उनकी इन तस्वीरों ने इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है। अपनी इन लेटेस्ट फोटोशूट में माहिरा शर्मा सिंपल ब्लैक साड़ी में कहर ढाने के साथ–साथ बेहद हसीन लग रही हैं।

माहिरा सिंपल ब्लैक साड़ी, पर्पल ब्लाउज के साथ माथे पर काली बिंदी और हाथों में चूड़ियां पहने हुए है और उनकी ये तस्वीरें कहर बरपा रही हैं।

अर्चना गौतम ले रही इंग्लिश की ट्यूशन, क्लासी दिखने के लिए बदल रही लुक

बिग बॉस 16 से घर–घर में मशहूर हुई अर्चना गौतम ने कहा है कि वह फिलहाल खुद पर ध्यान दे रही हैं, इंग्लिश की ट्यूशन ले रही हैं, किताबें पढ़ रही हैं और नया लुक अपना रही हैं।अर्चना गौतम बिग बॉस 16 की सबसे मजबूत कंटेस्टेंट्स में से एक बनकर उभरीं और अब उनके फैंस खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 में उन्हें खतरनाक स्टंट करते हुए देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। खतरों के खिलाड़ी 13 के पहले एपिसोड की स्पेशल स्क्रीनिंग में सभी कंटेस्टेंट एक साथ नजर आए। अर्चना ने अपने अनुभव और भी बहुत कुछ के बारे में बताया।अर्चना, जो इन दिनों बिल्कुल अलग अवतार में नजर आ रही हैं, ने कहा, मुझे लगता है कि जब कोई व्यक्ति किसी चीज में कदम रखता है, तो उसे हमेशा बढ़ना चाहिए। इसलिए वर्तमान में, मैं बढ़ रही हूं। मैं इंग्लिश ट्यूशन ले रही हूं, किताबें पढ़ रही हूं, खुद को क्लासी दिखाने के लिए नया लुक अपना रही हूं। मैं अब एक बेहतर एक्ट्रेस बनना चाहती हूं।उन्होंने कहा, चूंकि शो की शूटिंग केपटाउन में है, विदेशी क्रूकेवल इंग्लिश में बातचीत कर रहा है, जिससे मुझे कई समस्याओं का सामना करना पड़ा। इसलिए मुझे एहसास हुआ कि अगर आप विदेश यात्रा कर रहे हैं तो अंग्रेजी जरूरी है। शूटिंग के दौरान बनाए गए दोस्तों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं ऐश्वर्या और नायरा के सबसे करीब हो गई। लोग हमें त्रिमूर्ति कहते थे।

तृषा कृष्णन फिल्म लियो से एक बार फिर अपने प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध करने तैयार

सुप्रसिद्ध दक्षिण भारतीय अभिनेत्री तृषा कृष्णन लियो नामक आगामी फिल्म से एक बार फिर अपने प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं। लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित और करिश्माई थलपति विजय अभिनीत यह फिल्म 19 अक्टूबर, 2023 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने के लिए तैयार है। सोशल मीडिया पर चल रही चर्चा के बीच, आगामी परियोजनाओं में त्रिशा की संभावित भूमिकाओं के बारे में दिलचस्प चर्चाएं सामने आई हैं। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह कल्याण कृष्ण द्वारा निर्देशित फिल्म में चिरंजीवी की पत्नी की भूमिका निभा सकती हैं।

एक और लुभावनी अफवाह उसी प्रोडक्शन में शारवानंद की मां के रूप में उनके चित्रण का प्रस्ताव करती है। फिल्म निर्माता इन अटकलों की पुष्टि या खंडन करने के लिए स्पष्टता की प्रतीक्षा कर रहे हैं। विशेष रूप से, यह फिल्म प्रतिष्ठित चिरंजीवी की बेटी सुष्मिता कोनिडेला के नेतृत्व में है, जिसमें गोल्ड बॉक्स एंटरटेनमेंट्स प्रोडक्शन हाउस के रूप में काम कर रहा है।

लहंगे और डीप नेक ब्लाउज में सारा अली खान ने लगाया हॉटनेस का तडक़ा, तस्वीरें देख होश खो बैठे फैंस

फिल्म डेब्यू से पहले ही दुनिया भर में सारा अली खान के चर्चे थे। एक्टिंग डेब्यू के बाद तो एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर तहलका ही मचा दिया। सारा अली खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है और अक्सर अपने लुक्स से फैंस को दीवाना बनाती नजर आती हैं। सारा ने हाल ही में अपने कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की है, जिनमें उनका देसी लुक देखने के बाद फैंस अपना होश खो बैठे हैं। वैसे तो पटौदी खानदान की बेटी सारा अली खान अपनी खूबसूरती के साथ–साथ नेचुरल ब्यूटी के लिए दुनिया भर में मशहूर है। सारा अली खान ने हाल ही में लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं, जिनमें वो काफी खूबसूरत और ग्लैमरस लग रही हैं। सारा अली खान के देसी लुक और किलर अदाओं को देखने वालों के होश तक उड़ गए और उनके फैंस अपना होश तक खो बैठे। इंडियन काउचर वीक 2023 के

रैंप पर एक्ट्रेस सारा अली खान ने लहंगे और डीप नेक ब्लाउज में हॉटनेस का तडक़ा लगाया। सारा अली खान के इस देसी लुक को देखने के बाद फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। पीच–सिल्वर कलर के लहंगे और डीप नेक बलाउज में सारा अली खान बला की खूबसूरत लग रही थीं। इंस्टाग्राम पर सारा अली खान की ये तस्वीरें आते ही इंटरनेट पर छा गई, जिन पर फैंस जमकर अपना प्यार लुटा रहे है। इंडियन काउचर वीक के रैंप पर सारा अली खान का हुस्न देख ऐसा लगा मानों चांद जमीन पर उतर आया हो।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074,
9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com